तापमान
अधिकतम 32.6 डिग्री
न्यूनतम 20.6 डिग्री

हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, सोमवार, 4 नवंबर 2024

08 ठंड देने लगी दस्तक, रात के तापमान में आ रही गिरावट

09 हर्षोल्लास के साथ मना मातर व भाई दूज पर्व

ढाई दशक बाद विधायक व लोगों के जुटाए पैसे से संवरा बैकुंठधाम सूर्यकुंड तालाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिलाई

हरिभूमि सरोकार

विभिन्न अवरोध और राजनीतिक थपेड़ों के बीच जनप्रतिनिधियों की खींचतान और इच्छाशक्ति का अभाव झेलता बैकुंठ धाम का सूर्य कुंड तालाब इस बार छठ पूजा के पूर्व अपने सुंदर और मनोहर रूप में शहरवासियों को देखने मिलेगा। अब बैकुंठधाम तालाब न सिर्फ छठ पूजा, तीज नहावन सहित अन्य आवश्यक परंपराओं के निर्वहन के लिए उपयुक्त होगा बल्कि आस पास के क्षेत्र का जल स्तर बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकेगा। इस तालाब को वृहद, विस्तारित और विकसित स्वरूप दिलाने में गंगा जल लेकर कसम खाने वाले जनप्रतिनिधि रिकेश सेन की महत्वपूर्ण भूमिका है।

चुनाव पूर्व गंगा जल लेकर लिया था संकल्प

विधानसभा चुनाव पूर्व भारतीय जनता पार्टी ने वैशाली नगर से पार्षद रिकेश सेन को प्रत्याशी बनाया। इसी दौरान बैकुंठ धाम में एक चुनावी सभा के दौरान गोरखपुर के सांसद व भोजपुरी अभिनेता रवि किशन की आमसभा में निगम के पूर्व सभापति राजेंद्र अरोरा ने सूर्य कुंड तालाब को विकसित और बेहतर स्वरूप दिलाने अपने जीवन के एक बड़े स्वप्न की चर्चा करते हुए बताया कि वर्षों से लंबित यही कार्य सबसे बड़ा जरूरी है। उनकी बात पर प्रत्याशी रिकेश सेन ने गंगा जल लेकर सूर्य कुंड तालाब को बेहतर बनवाने की शपथ ली थी।

भारत की पवित्र 51 नदियों का जल गंगा आरती के साथ होगा समाहित

ऐसे हुआ फंड एकत्र

रिकेश सेन विधानसभा चुनाव जीत विधायक बने और उन्होंने तत्काल निगम व जिला प्रशासन के अधिकारियों से सूर्य कुंड तालाब बनवाने पहल की तो पता लगा कि तालाब निर्माण में कोई भी शासकीय फंड नहीं दिया जा सकता। तब विधायक रिकेश सेन ने अपने गांव की पैतृक जमीन बेंच दी। राजेंद्र अरोरा ने अपनीकुछ जमीन बेची वहीं पूर्व पार्षद राजेश प्रसाद ने पत्नी के गहने बेच दिए। बैकुंठधाम के लोगों ने भी यथासंभव सहयोग दिया।

बीस साल पहले प्रेमप्रकाश पांडेय ने चलाई थी कुदाल

पूर्व विस अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय ने बैकुंठ धाम के सूर्यकुण्ड तालाब के लिए 5 कुदाल चलाई थी। पांडेय ने समीपस्थ क्षेत्रों के वाटर लेबल को बढ़ाने इस तालाब की महत्ती आवश्यकता को प्रतिपादित किया था। मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की धर्मपत्नी वीणा सिंह भी कार्यक्रम में भी मौजूद रहीं। भूमिपूजन के बाद कार्य प्रारंभ होते ही विपक्ष की राजनीतिक हठधर्मिता के चलते कुछ जनप्रतिनिधि हाई कोर्ट से स्टे ले आए और काम रोकना पड़ा। जब सूर्य कुंड निर्माण की बात आई कोई न कोई आपत्ति अड़चन-बाधक बनी।

51 पवित्र नदियों का जल सूर्यकुंड में होगा समाहित

विधायक रिकेश सेन ने बताया कि बैकुंठ धाम के सूर्यकुण्ड तालाब का भूमिपूजन विधायक प्रेम प्रकाश पाण्डेय ने की थी अब मां गंगा सहित 51 पवित्र नदियों का जल समाहित कर सूर्य कुंड तालाब को वास्तविक स्वरूप दिया जा रहा है। 4 नवंबर को कलश कुंड यात्रा निकाली जाएगी जो कि शहर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करती हुई सूर्य कुंड गंगा घाट बैकुंठधाम पहुंचेगी।कान्हाजी महाराज विशेष पंडितों की टीम के साथ कलश कुंड और भगवान सूर्य का अभिषेक करेंगे।

32 एकड़ का बढ़ा है वाटर लेबल

विधायक रिकेश सेन ने बताया कि तालाब के पास जो बोर हुआ है उससे लगातार पानी निकल रहा है। पूरी उम्मीद है कि यहां के वाटर लेबल और रिसोर्सेज से जल्द ही गर्मियों में आस पास के सूखे मोहल्लों तक हम सूर्यकुण्ड के माध्यम से वाटर सप्लाई भी कर सकेंगे। सूर्यकुण्ड के आसपास वाकिंग पाथ वे, ग्रास गार्डन, बाउंड्री वाल, म्यूजिकल फाउंटेन सहित अनेक सौंदर्य साधनों से डेवलप किया जाएगा। वैशाली नगर विधानसभा में कुल 27 तालाबों के साथ ही सभी कुओं को भी सूचीबद्ध कर रीचार्ज किया जा रहा है, बहुत जल्द विधानसभा के सभी तालाब और वाटर रिसोर्सेज इसी तरह विकसित कर वाटर लेबल बढ़ाया जाएगा।

खबर संक्षेप

स्कूल में अनूठी पहल माताओं ने बनाया भोजन

भिलाई। पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला रुआबांधा में न्योता भोजन का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में अनोखा पहल देखने को मिला स्कूल मे पढ़ रहें बच्चों के माताओं के द्वारा स्वयं के व्यय से सामूहिक उपस्थिति दर्ज कर विद्यालय मे ही खीर पूड़ी सब्जी पकाकर कक्षा पहली से पांचवी तक के अपने बच्चों को न्योता भोजन कराया। इस प्रकार सामूहिक सहभागिता का अनोखा पहल प्रस्तुत किया गया। शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरीश पटेल ने बताया कि इनसे बच्चों मे स्कूल के प्रति उत्सुकता बढ़ेगी सांथ ही सांथ बच्चों को पोषक आहार मिलता रहेगा। इस अवसर पर संकुल प्राचार्य के प्रतिनिधि सुशील मिश्रा संकुल समन्वयक नेमसिंह साहू प्रभारी प्रधान पाठक रेणु गोस्वामी, विद्यालय के शिक्षक संध्या पाठक, गीता साहू , रेणुका चंद्राकर, प्रीति तिवारी, नागेंद्र मरावी, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरीश पटेल, कृष्णा देवी पटेल, गायत्री श्रीवास, पार्वती, सपना शर्मा, अनिता पाल, अंजलि दास, गायत्री देवांगन, गौरी देवांगन, दुर्गा यादव, एम दीपा, सुहागा, सुनैना चौधरी, फरीदा, सीमा, नेहा महमल्ला, ललिता देवी, आरती यादव, मजीदा खान, लता यादव आदि उपस्थित थे। संकुल समन्वयक नेमसिंह साहू ने आभार प्रकट किया।

नवनिर्मित भवन बना नशेड़ियों का अड्डा

भिलाई। नेवई भाठा व लोकनगर, स्थित निर्माणाधीन सामुदायिक भवन नशेड़ियों का अड्डा बन गया है। यहां शाम होते ही नशेड़ी पहुंच जाते है और शराब आदि का सेवन करते है। यह भवन चंद्र नगर लोकनगर, न्यू नेहरू नगर, कबीर नगर, वेदांत नगर सहित संलग्न कॉलोनियों के लोगों के लिए बनाई जा रही है। श्रमिक बस्ती क्षेत्र से लगे होने की वजह से असामाजिक तत्व इस भवन में आ रहे है। लोगों द्वारा मना करने पर उन्हें धमकी दी जा रही है। लोगों ने शाम को पुलिस पेट्रोलिंग की मांग की है।

पर्यावरण से खिलवाड़ : बीएसपी जवाहर उद्यान किनारे डंप कचरा हर रोज जल रहा

कचरा जलाकर नष्ट करने से फैल रहा प्रदूषण

हरिभूमि न्यूज :भिलाई। एनजीटी ने ऐन त्योहार के मौके पर प्रदूषण पर लगाम कसने दो घंटे पटाखे चलाने का समय निर्धारित किया था लेकिन इसका पालन ट्विनसिटी में नहीं दिखाई दिया। देर रात तक लोगों ने खूब पटाखे फोड़े। पटाखे के प्रदूषण से लोग अब तक जूझ ही रहे हैं कि त्योहार का कचरा नहीं उठा और उसे भी जलाया जा रहा है। रिसाली और सेक्टर एरिया में खुले आम कचरा जलाकर नष्ट किया जा रहा है। जिससे पिछले तीन दिन से वातावरण में हर शाम धुआं ही धुआं दिखाई द देने लगा है। लोग इस दमघोंटू धुंए से परेशान है।

यह तस्वीर जवाहर उद्यान के बाजू की है। यहां उद्यान के किनारे खाली जगह बीएसपी का संरक्षित क्षेत्र है। इस जगह पर आधा से एक किलोमीटर तक कचरा डंप है। इस कचरे को आग के हवाले कर दिया गया है। जिसकी वजह से रविवार की शाम यहां पर धुआं ही धुआं उठ रहा है। इतनी तेज धुआं यहां से निकल रहा है जो बीएसपी गेट जाने वाली मुख्य मार्ग के लोगों का गुजरना मुश्किल कर दिया है। सेक्टर 5 के आधे क्षेत्र के क्वार्टरों में धुआं पहुंच रहा है। लोगों ने बताया कि खिड़की-दरवाजे बंद कर रह रहे हैं। सड़क नंबर 22,32,26,27,28,29 से लेकर स्व राकेश क्रिकेट ट्रेनिंग वाली जगह तक सबसे ज्यादा प्रदूषण के हालात हैं। लोग शाम को यहां सेहत को लेकर वाकिंग करते हैं लेकिन धुंए की वजह से निकलना बंद कर दिया है।

यह तस्वीर रिसाली निगम क्षेत्र वार्ड क्रमांक 17 शिवपारा स्टेशन मरोदा की है। यह स्थल मोतीलाल ठेकेदार घर के पास से चंद्रनगर उमरपोटी जाने वाली मार्ग के किनारे की है। निगम के सफाई कर्मी यहां पर कचरा डंप कर रहे हैं और उसकी सफाई नहीं करते। जब कचरे का ढ़ेर बढ़ जाता है तो कर्मी यहां आग लगा देते हैं। रहवासियों ने बताया कि निगम की गाड़ी यहां आती ही नहीं। कभी कभार सफाई कर्मी आते हैं तो एकत्र कचरा यहां डाल देते हैं। जलाकर चले जाते हैं। इस वार्ड के साथ अन्य वार्ड भी जुड़े हुए हैं। इन वार्डों में भी कचरे की सफाई को लेकर रहवासियों की नाराजगी है। उमरपोटी जाने वाली मुख्य मार्ग के किनारे भी कचरा एकत्र कर ले जाने के बजाय जलाने का क्रम चल रहा है। जो वार्ड क्रमांक 32,33,34 का संयुक्त क्षेत्र है। रूआबांधा, रिसाली, प्रगतिनगर मार्केट, शक्ति विहार कालोनी आदि में भी साफ-सफाई की स्थिति दयनीय है।

कचरा समाप्त करने नोटिस मिला है निकायों को

रिसाली, भिलाई और दुर्ग नगर निगम को एनजीटी ने उनके एरिया में डंप कचरे को समाप्त करने के लिए नोटिस जारी किया है। इस नोटिस के बाद रिसाली निगम और दुर्ग निगम आयुक्तों ने कचरे को गलत ढ़ग से समाप्त करने लगे हैं। कचरे की साफ-सफाई इन दोनों निगमों ने ठेके पर दिया है। ठेकेदारों द्वारा अपने सफाई कर्मियों को मौखिक रूप से यह कह दिया गया है कि कचरा जला दिया करो। ठेकेदारों के पास अपनी सफाई में यह कहने को है कि कचरा वहां के लोग जला देते हैं। सच्चाई जानने के बाद भी निगम आयुक्त ठेकेदारों पर कोई कार्रवाई नहीं करते। लोगों का कहना है कि यह मिलीभगत का ही नतीजा है।

रिसाली निगम में नया ठेका निविदा नहीं

रिसाली निगम में सफाई का ठेका तीन महीने पहले ही समाप्त हो चुका है। उसके बाद भी निगम प्रशासन की मेहरबानी इन ठेकेदारों पर चल रही है। हैरत की बात है कि रिसाली निगम स्वच्छ भारत मिशन की दौड़ में अपने आप को प्रस्तुत करने कलेक्टर के निर्देश पर रोजाना कोई न कोई कार्य करने की विज्ञप्ति जारी कर रहा है लेकिन लोगों का कहना है कि यह महज ढ़कोसला ही है। वार्डों के भीतर सफाई का बुरा हाल है। विशेष कर श्रमिक बस्तियों के लोगों में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है।

कैरम नहीं खेलने दिया तो मासूम ने लगाई फांसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिलाई

मासूम बच्चों को पड़ोसी ने कैरम खेलने नहीं देने पर घर में आकर फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। घटना खम्हरिया गांव की है। जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है। स्मृति नगर पुलिस ने बताया कि घर के पास कुछ बच्चों के द्वारा कैरम खेला जा रहा था इस दौरान 9 साल की पिया नेताम कैरम खेलने की इच्छा जाहिर की। लेकिन बच्चों ने पिया को कैरम खेलने नहीं दिया। इस बात से नाराज पिया ने अपने घर के पहली मंजिल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतिका के पिता सेवक राम निषाद के बारह बच्चे है। पिया इनकी छोटी बेटी है। सूचना मिलने पर स्मृति नगर पुलिस मौके पर पहुंचे और पिया के शव को पीएम के लिए अस्पताल भेज मेरे काम का जांच में लिया।

ट्रेन से महिला गिरी,मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिलाई

रविवार की सुबह एक महिला पटरी पर गिर गई घटना में उसके ऊपर से ट्रेन गुजरने से मौके पर ही महिला की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने लिया। घटना पावर हाउस रेलवे स्टेशन का है। पुलिस ने बताया कि न गौतम नगर खुर्सीपार निवासी डॉली साहू अपनी बेटी के साथ रहती है। उसका बेटा विशाखापट्टनम में नौकरी करता है। वह कुछ दिन पहले ही उसके पास गई हुई थी। रविवार सुबह विशाखापट्टनम-दुर्ग पैसेंजर से भिलाई लौटी थी। सुबह 6 बजे ट्रेन पॉवर हाउस रेलवे स्टेशन में रुकी। डॉली ट्रेन से उतर रही थी कि अचानक ट्रेन चल पड़ी और उसका पैर फिसल गया। महिला के ऊपर से अचानक ट्रेन चल गई। सुपेला मरचूरी में शव रखा गया है।

बिजली कंपनी के इंजीनियर के खाते से लाखों की चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिलाई

बिजली कंपनी के इंजीनियर का मोबाइल घूमने से अज्ञात आरोपी ने उनके खाते से लाखों रुपए पर करने का मामला प्रकाश में आया है। घटना की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ जुर्म दर्ज कर जांच में लिया। खाते से करीब 1 लाख 40 हजार रुपए का ट्रांजेक्शन किया गया। छावनी पुलिस ने बताया कि शिव मंदिर, साकेत कालोनी, एसएएफ लाइन कातुलबोर्ड दुर्ग निवासी छोटू राम चंद्रवंशी छग राज्य विदयुत पारेषण कंपनी भिलाई तीन में कार्यपालन अभियंता के पद पर पदस्थ है। 29 अक्टूबर की शाम सब्जी मार्केट पावर हाउस में खरीददारी करने गया था। जहां उनका मोबाईल जिसमें बीएसएनएल सिम एवं जियो सिम लगा हुआ था।

■ पांच बार खाते से हुआ ट्रांजेक्शन

जो गुम गया था। इंजीनियर ने जब उक्त दोनों नंबरों का नया सिम लिया। 1 नवंबर को खाता का बैलेंस चेक करने पर खाता में लिंक मोबाइल से किसी अज्ञात व्यक्ति ने 5 बार में यूपीआई ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुल 1 लाख 39 हजार 965 रुपए निकाल लिया गया है।

मरोदा टैंक में खुले चेंबर से लोग परेशान

भिलाई। नगर पालिक निगम रिसाली के वार्ड 13 मरोदा टैंक मार्केट दुर्ग, पाटन मुख्य मार्ग पर स्थित गायत्री मेडिकल स्टोर के ठीक सामने दो साल पहले सड़क का निर्माण व चौड़ीकरण का कार्य हुआ था।सड़क निर्माण कम्पनी ने सड़क तो बना दिया। लेकिन उक्त स्थल को चेम्बर बनाकर ढकना भूल गई।अब इस गली से आवागमन करने वाले सैकड़ों लोगों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। इस दरम्यान विधानसभा से लेकर लोकसभा का चुनाव भी सम्पन्न हो गया। आस-पास निवास करने वाले लोग थक हार गए है। किसी जनप्रतिनिधि ने इस समस्या का समाधान नहीं किया।

दो गुटों में वर्चस्व की लड़ाई बनी घटना की वजह

धीरज हत्याकांड में नाबालिग सहित तीन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिलाई

धीरज हत्याकांड मामले में पुलिस ने नाबालिक समेत 3 को गिरफ्तार किया है। धीरज उर्फ टकला महानंद की लक्ष्मी नगर पुरानी देशी शराब भट्ठी के पास शनिवार शाम को चाकू मारकर हत्या कर दी थी। मृतक धीरज महानंद और आरोपी राहुल उर्फ राहुलवा दोस्त है। दोनों बिलासपुर हत्या के मामले में जेल गए थे। धीरज महानंद पखवाड़े भर पहले छूटकर आया था। घटना के दिन भी मारपीट किया था। राहुल अक्सर नाबालिगों को अपनी गैंग में शामिल कर अपराधिक घटनाओं को अंजाम देता था। इस घटना में भी उसने नाबालिग का साथ लिया। ।

कुम्हारी से पकड़ाए तीनों आरोपी

हत्याकांड के बाद सुपेला थाने की पुलिस व एआईसीसी की टीम लगातार आरोपियों की पतासाजी कर रही थी। सीसी टीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान हुई। पुलिस से बचने के लिए आरोपी लगातार छिप रहे थे। इनपुट के आधार पर पुलिस ने पीछा किया आरोपियों को कुम्हारी से गिरफ्तार किया। आरोपी राहुल उर्फ रहुलवा, रोशन यादव और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। एक फरार आरोपी की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

तैश में आकर दिया वारदात को अंजाम

हत्याकांड के पीछे की वजह गुस्सा व आवेश है। एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि मृतक व आरोपी सभी दोस्त है। गौरागौरी के दिन लगभग 4 बजे धीरज महानंद का विवाद हुआ था। इसके बाद रोशन यादव अपनी स्कूटी पर धीरज को बिठाकर राहुलवा और एक नाबालिग के पास ले गया। यहां इनके बीच में विवाद शुरू हो गया। धीरज कहने लगा कि मैं किसी को कुछ नहीं समझता। अपने पार्टनर को भी कुछ नहीं समझा तो तुम लोग क्या हो। इसके बाद नाबालिग सहित तीनी तैश में आ गए। नाबालिग आरोपी ने चाकू से ताबड़तोड़ वार किया।

डॉ. एमके खंडूजा को पीएफ विभाग के नोटिस से खुलासा

खंडूजा ने हॉस्पिटल कर्मियों के 6.66 करोड़ पीएफ के भी डकारे

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिलाई

अपोलो बीएसआर हॉस्पिटल के पूर्व डॉयरेक्टर डॉ. एमके खंडूजा ने निवेशकों के पैसे के साथ ही हॉस्पिटल कर्मियों के पीएफ के पैसे भी डकार लिए। कर्मचारियों के पीएफ के 6 करोड़ 66 लाख 11 हजार 404 रुपए डॉ. खंडूजा ने पीएफ कार्यालय में जमा ही नहीं किए जबकि कर्मचारियों के खाते से यह रकम काट ली। इसका खुलासा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा जारी नोटिस से हुआ है। नोटिस में बताया गया है कि जुलाई 2016 से नवंबर 2018 तक पीएफ राशि कर्मियों की नहीं जमा की गई।

आम लोगों से 80 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की डायरेक्टर ने

अपोलो बीएसआर हॉस्पिटल के पूर्व डॉयरेक्टर डॉ. एमके खंडूजा ने केवल संतोष रूंगटा ग्रुप से की ठगी नहीं की है बल्कि आम लोगों को हॉस्पिटल में निवेश करवाने के नाम पर अब तक 80 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की है। वहीं संतोष रूंगटा ग्रुप से हॉस्पिटल में भागीदारी के नाम पर 19.14 करोड़ रुपए की ठगी की। इस मामले में थाने में पहली रिपोर्ट रूंगटा ग्रुप द्वारा दर्ज करवाने के बाद निवेशक भी सामने आ रहे हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अब तक 150 से ज्यादा निवेशक थाने में डॉ. खंडूजा के खिलाफ पैसे लेने की शिकायत कर खंडूजा ने हॉस्पिटल कर्मियों के 6.66 करोड़ रुपए पीएफ भी डकारे चुके हैं। कलेक्टर व एसपी को ज्ञापन दिए हैं।

■ परत दर परत खुल रहा है अपोलो के पूर्व डायरेक्टर का कारनामा

डॉ. खंडूजा व बेटे का पासपोर्ट जब्त करने एसपी को ज्ञापन

निवेशकों से ठगी करने के आरोपी में जेल काट रहे डॉ. एमके खंडूजा पर निवेशकों ने एक और बड़ी पहल की है। निवेशक दिनेश कुमार सहित अन्य निवेशकों ने एसपी के नाम स्मृतिनगर पुलिस चौकी में ज्ञापन दिया है। जिसमें निवेशकों ने डॉ. खंडूजा, निरा खंडूजा और बेटे रोहितास खंडूजा का पासपोर्ट जप्त कर निरस्त करने की मांग रखी है। निवेशकों ने कहा है कि जमानत मिलने के बाद ये तीनों देश छोड़कर भाग जाएंगे। इसलिए उनका पासपोर्ट जप्त कर निरस्त किया जाए। इस ज्ञापन के बाद चौकी प्रभारी ने एसपी को पासपोर्ट निरस्त कराने के लिए पासपोर्ट कार्यालय को प्रस्ताव भेजने का आग्रह किया है।

बढ़ती जा रही है डॉ. खंडूजा की मुश्किलें

अपोलो बीएसआर हॉस्पिटल के पूर्व डॉयरेक्टर डॉ. एमके खंडूजा की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही है। कोर्ट से अब तक डॉ. खंडूजा को जमानत नहीं मिल पाई है। इधर निवेशकों की संख्या भी बढ़ती जा रही है जो थाने जाकर रिपोर्ट लिखवा रहे हैं। इसलिए यदि एक रिपोर्ट पर जमानत की उम्मीद बंधती है तो दूसरे पर यह टूट जाती है। डॉ. खंडूजा का परिवार भी इस ठगी के मामले में जुड़ा रहा है इसका भी खुलासा हुआ है। हॉस्पिटल कर्मियों के पीएफ पैसे को भी जमा नहीं करने से सरकारी विभाग भी एक्शन मोड में है। जिससे शिकंजा और कसता जा रहा है।

राज्योत्सव में वन मंत्री केदार होंगे मुख्य अतिथि

दुर्ग। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में राज्योत्सव की तैयारी शुरू हो गई है। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में जिले में 5 नवंबर को पुराना गंजमंडी गंजपारा दुर्ग में राज्योत्सव का आयोजन किया जाएगा। उक्त आयोजन में प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। सभी विभागों को राज्योत्सव पर शासन की योजनाओं को बेहतर ढंग से क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए गए है।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई
7987328736, 7489348301

खबर संक्षेप

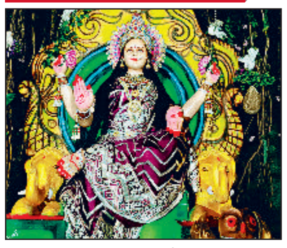

दुर्ग। जय मां वैभव लक्ष्मी समिति ग्राम कोटनी में मूर्ति स्थापित।

जिला स्तरीय शिकायत सेल का गठन

दुर्ग। नगरपालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आगामी आम/उप निर्वाचन हेतु निर्वाचक नामावली तैयार/पुनरीक्षण का कार्य जिले में प्रभावशील है तथा नगरीय निकाय व त्रिस्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन होना प्रस्तावित है। आगामी निर्वाचन से संबंधित शिकायत पर त्वरित कार्यवाही हेतु जिला स्तरीय शिकायत सेल का गठन किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने जिला कार्यालय कक्ष क्रमांक-21 शिकायत सेल में अधिकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीमती लता युगल उर्वशा डिप्टी कलेक्टर दुर्ग प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। श्रीमती सुवर्षा राव सहायक ग्रेड-02, श्रीमती रीतु राजपूत सहायक ग्रेड-02 एवं श्रीमती कृति रामटेके सहायक ग्रेड-03 को सहायक एवं श्री नन्दु निर्मलकर भृत्य को डाक रनर का दायित्व सौंपा गया है। नियुक्त किए गए सभी कर्मचारीगणों को प्रभारी अधिकारी के मार्गदर्शन में कार्य संपादित करने कहा गया है।

शांभवी यादव शास्त्री नृत्य में प्रथम

दुर्ग। शांभवी यादव को विगत दिनों दुर्ग भिलाई में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता देशराग में शास्त्रीय नृत्य भरतनाट्यम हेतु सब जूनियर कैटेगरी में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। साथ ही उनकी माता डॉ मौसमी यादव, पशु चिकित्सक को भरतनाट्यम ओपन कैटेगरी में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। इसके पूर्व भी विगत माह में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता प्रज्ञोत्सव 2024 में सब जूनियर कैटेगरी में शांभवी को प्रथम स्थान एवं अक्षय पात्र भिलाई में आयोजित प्रतियोगिता हेरिटेज फेस्ट 2024 में शांभवी को क्लासिकल ग्रुप डांस में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। शांभवी डीपीएस भिलाई कक्षा 4 की छात्रा है एवं गुरु डॉ राखी राय के नृत्यधाम कला समिति के अंतर्गत शुभ्रा मैम एवं पुष्पेंद्र से नृत्य सीख रही है। शांभवी डॉक्टर मनोज यादव की पुत्री है एवं डॉ एस एस देवदास, पूर्व सिविल सर्जन व श्रीमती चंद्रकला देवदास की नातीन एवं श्री बाल रूप यादव पूर्व पार्षद व श्रीमती समुद्री यादव की पौत्री है।

दावा आपत्ति 4 नवम्बर तक आमंत्रित

दुर्ग। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-2 द्वारा आंगनबाड़ी सहायिका के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया था। अनुमोदित अंतरिम मूल्यांकन पत्रक कार्यालय परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-2 एवं ननि जामुल के कार्यालय परिसर में चस्पा कर दी गई है। दावा-आपत्ति 4 नवम्बर 2024 तक ली जाएंगी उक्त तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

निधन

लेखराम साहू

दुर्ग। एचआईजी1/150 बोरसी निवासी लेखराम साहू (81 वर्ष) का निधन रविवार शाम 6:30 बजे हो गया है। उनका अंतिम संस्कार 4 नवंबर को दोपहर 12 बजे शिवनाथ नदी मुक्तिधाम दुर्ग में किया जाएगा। वे योगेश व चन्द्रभूषण के पिता थे।

आरक्षण का इंतजार, आचार संहिता को लेकर भी अटकलें हो गईं तेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

प्रदेश में ओबीसी सर्वे कराए जाने के बाद राज्य शासन द्वारा अब तक आरक्षण की प्रक्रिया पूरी नहीं की गई है। वहीं दूसरी ओर नगरी निकाय चुनाव को लेकर आचार संहिता की अटकलें भी तेज हो गई है। बहरहाल राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन नामावली की अंतिम प्रकाशन की तिथि बढ़ा दी गई है। पहले आयोग द्वारा 12 नवंबर अंतिम प्रकाशन तय की गई थी, लेकिन इसमें 5 दिन का इजाफा करते हुए 27 नवंबर कर दिया गया है। ऐसे में माना जा रहा है कि, नगरीय चुनाव के लिए दिसंबर के पहले सप्ताह के बाद आचार संहिता लग सकता है।

उल्लेखनीय है कि, राज्य पिछड़ा विकास प्राधिकरण द्वारा सितंबर माह में ही सर्वे कार्य पूरा कर लिया गया था। इस सर्वे के बाद माना जा रहा था कि, जल्द ही आरक्षण की प्रक्रिया में पूरी कर ली जाएगी। क्योंकि आरक्षण के कार्य निपटने के बाद आचार संहिता के लगने के आसार हैं। लेकिन वर्तमान में राज्य शासन विधानसभा के उप चुनाव में व्यस्त हैं। इधर ऐसी जानकारी मिली है कि, राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों के नामावली के अंतिम प्रकाशन की तिथि बढ़ा दी है। अफसर की माने तो प्रदेश भर के विभिन्न दिनों से मांग की गई थी, इस दौरान कई जिलों से नाम जोड़ने के बाद त्रुटि सामने आई थी। जिसे सुधारने राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 22 से 27 नवंबर तक तिथि बढ़ा दी गई है। इसके अलावा नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय चुनाव को एक साथ करने की भी खूब चर्चा हो रही थी। लेकिन राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश के बाद नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय चुनाव को लेकर निर्वाचन नामावली की प्रारंभिक प्रकाशन जारी कर दी गई है, वही अंतिम प्रकाशन की तिथि भी तय हो गई है। उसके बाद माना जा रहा है कि, निकाय और पंचायत चुनाव आगे पीछे होंगे। खैर इन तमाम बिंदुओं पर अंतिम फैसला राज्य शासन द्वारा ही लिया जाएगा।

नवंबर के आखिरी में होगा सूची का अंतिम प्रकाशन

बैलेट पेपर से होंगे चुनाव, तैयारी शुरू

जिला निर्वाचन कार्यालय ने बैलेट पेपर प्रिंटिंग के लिए निविदा आमंत्रित की है, जो राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा की जा रही है। निविदा 25 नवंबर को खोली जाएगी, जिससे नगरीय निकाय चुनाव के लिए ईवीएम के उपयोग की चर्चाएं अब थम जाएंगी। स्थानीय निर्वाचन कार्यालय के गोदाम में मतपेटियों की सफाई और मरम्मत का कार्य भी चल रहा है, जिससे चुनाव के लिए सभी सकें। उल्लेखनीय है कि पहले भाजपा शासनकाल में नगरीय निकाय चुनाव ईवीएम के माध्यम से हुए थे, लेकिन जब से कांग्रेस की सरकार आई, तब से बैलेट पेपर से चुनाव कराने का निर्णय लिया गया।

प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष को लेकर संशय

छत्तीसगढ़ में विधानसभा और लोकसभा चुनावों के बाद इस साल नगरीय निकायों के भी चुनाव होने हैं। इसमें चुनाव के सिस्टम को लेकर चर्चा ज्यादा है कि, प्रत्यक्ष होंगे या अप्रत्यक्ष। यानी मतदाता सीधे अपना मेयर चुनेंगे या फिर चुने गए पार्षद, मेयर का चुनाव करेंगे। दरअसल, राज्य बनने के बाद से मेयर और नगर पालिका अध्यक्ष के लिए प्रत्यक्ष चुनाव ही हुए हैं, लेकिन साल 2019 में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद चुनाव प्रक्रिया में बदलाव किया गया। तत्कालीन भूपेश सरकार ने नगरीय निकाय का पिछला चुनाव अप्रत्यक्ष प्रणाली से कराया। पार्षदों की संख्या बल पर सभी नगर निगमों में कांग्रेस के ही मेयर चुने गए। बहरहाल इसे लेकर भी राज्य शासन द्वारा स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है।

लापरवाही : पिछले साल से चल रही सर्वे की प्रक्रिया, 65 हजार लोगों को इंतजार

381 गाँव क़े हितग्राहियों को नहीं मिला पट्टा, झेलनी पड़ेगी नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

जिले के 381 गांव के 65 हजार से अधिक लोगों को अब तक आबादी पट्टे का लाभ नहीं मिल पाया है। जिले में पिछले साल से राजस्व विभाग द्वारा सरकार किया जा रहा था। आबादी पट्टा जारी किए जाने के लिए होने वाले सर्वे का ड्रोन से मैपिंग किया गया था। सर्वे की प्रक्रिया लगभग पूरी होने के बाद भी पट्टे का वितरण नहीं किया गया है। आगामी दिनों पंचायत चुनाव होने वाला है, जिला प्रशासन के राजस्व महकमें की लापरवाही का खामीयाजा राज्य शासन को चुनाव में उठाना पड़ सकता है।

उल्लेखनीय है कि, आगामी दिनों त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होने वाला है। आबादी पट्टे की प्रक्रिया पिछले विधानसभा चुनाव क़े पहले से पहले चल रही है। जबकि अभी आने वाले नए साल में त्रिस्तरीय चुनाव होंगे। इस दौरान आबादी पट्टे की मांग तूल पकड़ सकती है। जानकारी अनुसार जिले क़े गांव की आबादी भूमि में रहने वाले लोगों को स्वामित्व का अधिकार दिया जाना है। इसके लिए केंद्र सरकार ने स्वामित्व योजना की शुरूआत की है। पूरे प्रदेश में पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में सबसे सबसे पहले दुर्ग जले से योजना की शुरूआत की गई, लेकिन जिला प्रशासन के अफसरों की सुस्ती के चलते योजना ठप पड़ गई है। योजना को लागू हुए करीब तीन साल हो गए। लेकिन इन तीन साल में जिला प्रशासन ने एक भी व्यक्ति को इस योजना का लाभ नहीं दिला पाया है। जबकि जिले के 381 गांव के 65 हजार से अधिक लोगों को इसका लाभ दिया जाना है। लोग साल भर से उम्मीद लगाए बैठे है कि अब उन्हें योजना का लाभ मिलेगा। लेकिन अबतक कोई लाभ नहीं मिला है। अफसर सिर्फ कागजों में योजना चला रहे है। नक्शा, खसरा और ड्राइंग डिजाइन का काम भी अब तक पूरा नहीं हो पाया है। अबतक एक भी अधिकार अभिलेख नहीं बना पाए है। कई अधिकारी बदल गए, लेकिन इस योजना का लाभ लोगों को नहीं दिलवा पाए है। हालाकि बीते दिनों हुए कलेक्टर ने जब राजस्व विभाग के अधिकारियों की बैठक ली थी। तब इस योजना की समीक्षा की थी और काम में तेजी लाने और केंद्र सरकार की इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ लोगों को दिलाने का आदेश भी दिया था।

राज्य शासन को चुनाव में भुगतना पड़ सकता है खामियाजा

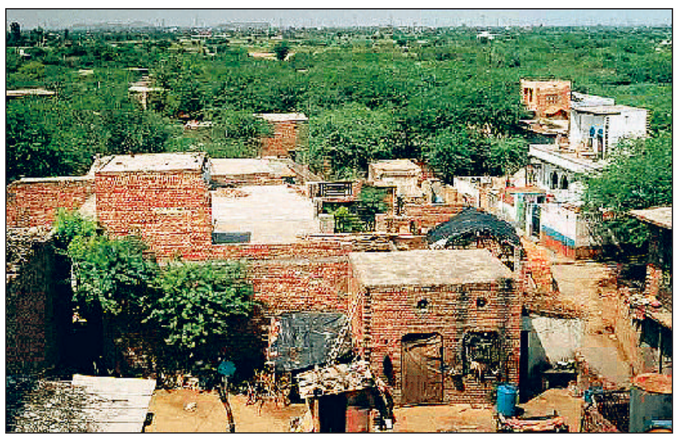

आबादी पट्टे का इस तरह मिलेगा लाभ

- सम्पत्ति मालिक को सम्पत्ति का प्रमाण पत्र एवं भू-स्वामित्व मिलेगा। ड्रोन सर्वे से रिकार्ड बनाने में शुद्धता आएगी।
- सर्टिफिकेट से बैंक लोन लेने में सुविधा मिलेगी।
- सम्पत्ति की खरीदी एवं बिक्री का हस्तांतरण में सुविधा होगी।
- आबादी भूमि का नक्शा-खसरा तैयार होने से सम्पत्ति विवाद कम होंगे। रिकार्ड ऑन लाइन होने से लोगों सबसे ज्यादा फायदा होगा।

स्वामित्व योजना कि ऐसी थी तैयारी

केंद्र सरकार की इस योजना के तहत आबादी भूमि में रहने वाले लोगों को स्वामित्व का अधिकार दिया जाना है। इसके लिए सरकार उन्हें अधिकार अभिलेख देगा। इस योजना की शुरुआत छत्तीसगढ़ के दुर्ग, कबीरधाम एवं कोरबा से हो गई है। भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय नई दिल्ली ने ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि पर निवासरत संपत्ति मालिकों को ड्रोन के माध्यम से सर्वे कर नक्शा, खसरा, रकबा बनाया जाएगा। ऑनलाइन में भी हितग्राहियों के नाम से जमीन का रिकार्ड रहेगा।

448 गांव में से 381 गांव में ड्रोन से सर्वे हुआ

स्वामित्व योजना के तहत जिले के सभी गांव को शामिल करना है। लेकिन जिले के 448 गांव में से 381 गांव में ड्रोन से सर्वे किया गया है। बाकी के गांव शहरी क्षेत्र में आते है। इसलिए उन्हें इस योजना से बाहर कर दिए है। इसके लिए पहले राजस्व विभाग ने मौखिक सर्वे किया गया। फिर ड्रोन से सर्वे किया। इसके बाद आबादी भूमि का नक्शा तैयार किया। जिसके ग्राम पंचायत में दावा आपत्ति केलिए लोगों को मौका दिया गया। जिसका निराकरण का काम अबतक चल रहा है। 5 हजार से ज्यादा दावा आपत्ति आया है।

प्रक्रिया पूरी

ड्रोन सर्वे कर जिले के हर गांव के आबादी भूमि का नक्शा-खसरा तैयार किया जा रहा है। शासन की स्वामित्व योजना के तहत लोगों को अधिकार अभिलेख दिया जाना है। जल्दी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। **-मुकेश रावटे,** नोडल अधिकारी

ठंड देने लगी दस्तक, रात के तापमान में आ रही गिरावट

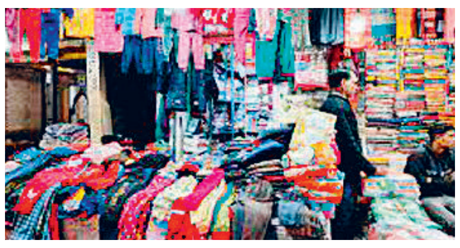

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

जिले में अब धीरे धीरे ठंड दस्तक देने लगी है। सुबह एवं रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। गौरतलब है कि दीपावली त्योहार के बाद से ठंड धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। वही दिन एवं रात के तापमान में दिनों दिन गिरावट दर्ज की जा रही है।

- नवंबर माह से होने लगा ठंड का एहसास

ठंड के मौसम में गर्म कपड़ों की ज्यादा जरूरत पड़ती रहती है। ठंड के मौसम में छोटे बच्चों एवं बुजुर्गो को ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत पड़ती है। खासकर श्वास अस्थमा एवं दमा से प्रभावित मरीजों को ठंड के मौसम में ज्यादा सतर्क रहना चाहिए। वैसे तो नवंबर महीने से ठंड शुरू हो जाता है। दिन एवं रात के तापमान में कमी तो आ रही है, जबकि दोपहर में तापमान एवं धुप तेज अभी भी चल रहा है।

ठंड बढ़ने के साथ ही साथ गर्म कपड़ों की मांग बजारों में बढ़ने लगती है। वहीं दुकान संचालकों के द्वारा सर्दी के मौसम को देखते हुए अपने दुकानों में बेचने के लिए गर्म कपडे पहले से ही आर्डर करा कर मंगा लिया गया है। इन दिनों ऑनलाइन मार्केट की भी सुविधा बढ़ गई है। जिसके चलते ठंड में गर्म कपड़ों की ऑनलाइन डिमांड बढ़ जाएगी।

गर्म कपड़े का सज चुका बाजार

दुर्ग शहर में गर्म कपड़े की दुकान अक्टूबर माह से ही लग चुकी है। तिबत्तियों द्वारा नगर निगम के सामने दुकान लगाए गए हैं। इसके अलावा राजेंद्र पार्क के सामने भी घरों कपड़े की व्यापक पैमाने पर दुकान लगाए जाते हैं। आगामी दिनों राजेंद्र पार्क चौक में भी गर्म कपड़े की दुकान सज जाएंगे। ऐसे में आगामी दिनों गर्म कपड़े की जमकर खरीदी होगी।

जिला अल्प संख्यक समिति के अंशधारकों को लाभांश का किया गया वितरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

जिला अल्पसंख्यक बचत सहकारी साख़ समिति मर्यादित दुर्ग प्रधान कार्यालय पुराना बस स्टैंड द्वारा संस्थाअंश धारकों को आमसभा में पांच प्रतिशत लाभांश देने की घोषणा की गई थी। जिसके अनुसार संस्था अंश धारकों को संस्था कार्यालय में आमंत्रित कर लाभांश राशि का चेक प्रदान किया गया। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष रऊफ कुरैशी ने कहा कि अंश धारकों,खातेदारों के सहयोग से संस्था प्रगति की ओर अग्रसर होते हुए फुटकर धंधा करने वालों को सहूलियत के आधार पर ऋण प्रदान कर उनमें बचत की भावना पैदा करते हुए आर्थिक स्वालंबन की ओर अग्रसर करने का प्रयास सहकार भावना से किया जा रहा है। अंश धारकों को लाभांश प्रदान करना इसका उदाहरण है उन्होंने लोगों से संस्था का अंश धारक बनने की अपील की। इस अवसर पर संस्था उपाध्यक्ष हाजी हनीफ भिंडसरा, संचालक बहादुर अली थरानी, मकबूल अली, मंजूर अंसारी, शमसुद्दीनथरानी, नदीम आजमी प्रबंधक, बीआर श्रीवास, अंशधारक गुलाबचंद सोनी, श्रीमती बदरुद्दीन, निशा, महेंद्र ढीमर, भारत भूषण अरोड़ा, वसीम कुरेशी, साबिर चिश्ती, लियाकत अली, नसीम फारूकी, मोहम्मद कमरुल हसन, जमाल खान, शाहरुख अंसारी, शेख जावेद, आनंद कटारिया , शफी खान, एडवोकेट यासमीन अशरफी इत्यादि उपस्थित रहे।

रामलला दर्शन योजना समिति के सदस्य ने किया पदभार ग्रहण

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता राजेश सिंह राजपूत को दुर्ग जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा द्वारा रामलला दर्शन योजना के समिति में नामित सदस्य के रूप में नियुक्त किया है। नियुक्ति के पश्चात समाज कल्याण विभाग में जाकर पदभार ग्रहण किया तथा समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक श्री परिहार को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा, जिला महामंत्री सुरेंद्र कौशिक, उपाध्यक्ष राजेंद्र पाध्याय उपस्थित रहे। राजेश सिंह राजपूत ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता होगी कि पात्र हर आम जनमानस रामलला दर्शन का योजना का लाभ ले सके।

इंदिरा मार्केट में गंदगी व बदबू से परेशानी...

दुर्ग। इंदिरा मार्केट सहित शहर के विभिन्न हिस्सों में गंदगी का आलम है। शहर में सफाई नहीं होने से जगह-जगह कचरों का ढेर लग गया है। इंदिरा मार्केट शौचालय के पीछे कचरा व गंदगी से लोग परेशान हो रहे हैं। वहीं इंदिरा प्रतिमा के पास भी गंदगी का ढेर लगा हुआ है। बदबू से मार्केट आने वालों का दम ही घूंट रहा है। लोग रुमाल में नाक बंद कर आवाजाही कर रहे हैं।

कालेज में नव प्रवेशित स्वयं सेवकों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम

स्वयं सेवकों को दी गई उद्देश्यों की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

- विश्वनाथ यादव तामस्कर कालेज में हुआ आयोजन

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र इकाई द्वारा नव प्रवेशित स्वयं सेवकों हेतु उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम. ए. सिद्दिकी उपस्थित थे। डॉ. सिद्दिकी ने अपने उदबोधन में विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के इतिहास, उद्देश्य एवं कर्तव्यों के बारे में अवगत कराया और राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़कर अपने वैयक्तिक विकास और सामुदायिक विकास की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया और शपथग्रहण कराया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने अपने उदबोधन के द्वारा स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना की पृष्ठभूमि, नियमित गतिविधियों एवं गतिविधियों के लिए निर्धारित मापदंण्डों के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित प्रो. जनेन्द्र कुमार दीवान, कार्यक्रम समन्वयक (रासेयो) हेमचंद यादव विश्वविद्यालय ने नवप्रवेशित स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े पूर्व स्वयंसेवकों का उदाहरण देते हुए संबोधित किया और बताया कि कैसे महाविद्यालय का एक विद्यार्थी इस संगठन के माध्यम से अपने भविष्य को संवारता है और समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करता है। उन्होने कार्यक्रम में उपस्थित सभी विद्यार्थियों को एन.एस.एस के उद्देश्यों को पूरा करने एवं अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। मंच पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. जी. एस. ठाकुर, डॉ. सतीश कुमार सेन, डॉ. अंशुमाला चंदनगर, डॉ. श्रीराम कुंजाम, क्रीडा अधिकारी लक्ष्मेंन्द्र कुलदीप, प्रो. मोतीराम साहू, प्रो. प्रशांत दुबे एवं अन्य प्राध्यापक गण उपस्थित थे। कार्यक्रम अधिकारी तरूण साहू ने स्वागत भाषण एवं सहा. कार्यक्रम अधिकारी सुदेश साहू ने धन्यवाद ज्ञापन एवं आभार व्यक्त किया। वरिष्ठ स्वयंसेवक मोरध्वज, ऋतिक, मिनेश, द्रविड़, दीपांकर, मों. आदिल, टुकेश्वर, निमिश आदि स्वयंसेवक सक्रिय रूप से कार्यक्रम में उपस्थित रहें।

परलीन ने आर्म रेसलिंग में जीता दो गोल्ड मेडल

दुर्ग। 20 से 23 अक्टूबर तक भारत में आठवीं एशिया इंटरनेशनल आर्म रैसलिंग कप 2024 और सातवीं एशिया इंटरनेशनल पैरा आर्म रैसलिंग कप 2024 मुंबई में आयोजित किया गया था। जिसमें छत्तीसगढ़ की भिलाई न्यू खुर्सीपार निवासी परलीन कौर ने +50kg मैं दो गोल्ड मेडल भारत के नाम किया। इस प्रतियोगिता में 10 देश के खिलाड़ियों ने भाग लिया था। छत्तीसगढ़ प्रदेश पंजा कुश्ती संघ के प्रेसिडेंट सुरेश, जनरल सेक्रेटरी श्रीकांत और परलीन के कोच श्रवण चौहान ने बताया कि परलीन ने पहले भी स्टेट और नेशनल में अपने जीत की छाप छोड़ते हुए आज भारत के लिए दो गोल्ड मेडल हासिल किया है।

खबर संक्षेप

चिंगरी में धरोहर कन्हारपुरी की प्रस्तुति कल

अंडा। सार्वजनिक माँ लक्ष्मी उत्सव समिति ग्राम चिंगरी द्वारा 5 नवंबर को महादेव हिरवानी कृत सांस्कृतिक कार्यक्रम धरोहर कन्हारपुरी (राजनांदगांव) की प्रस्तुति रात्रि 9 बजे से होगी। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ललित चन्द्राकर विधायक दुर्ग ग्रामीण, अध्यक्षता मनीष सेन जन सम्पर्क भाजपा युवा नेता रायपुर, विशेष अतिथि माया बेलचंदन सदस्य जिला पंचायत दुर्ग, केशव बंटी हरमुख उपाध्यक्ष श्रम कल्याण मंडल बोर्ड छग शासन, टिकेश्वरी लाल देशमुख सभापति जनपद पंचायत दुर्ग, पुष्पा देशमुख सरपंच-ग्राम पंचायत चिंगरी, संतोष पाटिल शिक्षक सहित आयोजक-माँ लक्ष्मी उत्सव समिति एवं समस्त ग्रामवासी चिंगरी व आस पास के ग्रामीण जन उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी सार्वजनिक लक्ष्मी उत्सव समिति के भूषण देशमुख एवं अनुराग दिल्लीवार ने दी।

सांसद विजय से की सौजन्य मुलाकात

पाटन। दीपावली पर्व पर पाटन नगर के बीजेपी अध्यक्ष होरीलाल देवांगन पाटन नगरवासियों की ओर से दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल को दीपावली की शुभकामनाएं एवम बधाई दिए। इस अवसर पर व्यासनारायण देवांगन पूर्व संचालक जिला सहकारी बैंक दुर्ग, सीता देवांगन महामंत्री भाजपा मध्य पाटन मंडल, पोखण साहू क्रीडा प्रभारी पाटन, नरेन्द्र, राजू देवांगन, हेमन्त सपहा, ईश्वर देवांगन उपस्थित थे।

आमटी में छत्तीसगढ़ी नाच आज

अंडा। मातर महोत्सव ग्राम - आमटी(पुरानी बस्ती) के समस्त ग्रामवासी व युवा साथी के सहयोग 4 नवंबर को जय छत्तीसगढ़ नाचा पार्टी कुम्हारी चम्पारण धाम) की रात्रि 10 बजे से प्रस्तुति होगी। वहीं 6 नवम्बर को जय मरादेव मरिया पूरन जस झांकी प्रस्तुती होगी जिसमें अधिक संख्या मे आने की अपील की है। यह जानकारी चितरंजन, तुमेश निषाद, लक्की निषाद ने दी।

निधन

जमुना चन्द्राकर

भिलाई। नगर पॉलिक निगम रिसाली के वार्ड क्रं 27 मैत्री नगर रिसाली निवासी जमुना चन्द्राकर उम्र 84 वर्ष आकस्मिक निधन रविवार को हो गया। उनका अंतिम सस्कार 4 नवंबर को दोपहर 1 बजे रिसाली मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे स्व. लखन लाल चंद्राकर की पत्नी एवं सांसद प्रतिनिधि पप्पू दीपक चन्द्राकर की मां व मैत्री नगर की पार्षद सुन्दा चन्द्राकर की सास थीं।

ईश्वर प्रसाद साहू

भिलाई। ग्राम गोढ़ी निवासी ईश्वर प्रसाद साहू का निधन हो गया। वे बैसाखिन बाई साहू के पति व लेखराम साहू के पिता थे।

न्यायालय नायब तहसीलदार भिलाई-3
मामले की श्रेणी: राजस्व
संदर्भ :- जिला- दुर्ग तहसील-भिलाई-3 प.ह.न.-00008 उरला ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- RD202425430300700004

ईश्तहार

तहसील भिलाई-3 के प.ह.न. 00008 के अंतर्गत ग्राम उरला के वर्तमान भूमिस्वामी अलालराम पिता/पति-साधूराम पता-उरला भिलाई 03 जिला दुर्ग, पोसनलाल पिता/पति-साधूराम पता-उरला भिलाई 03 जिला दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 383 (0.1100), 426/1 (0.1200), 1411 (0.3800), 457 (0.1400), 380 (0.1300) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता तोमिनबाई साहू पिता/पति-अलालराम साहू पता-उरला भिलाई 03 जिला दुर्ग, बिनेश कुमार साहू पिता/पति-अलालराम साहू पता-उरला भिलाई 03 जिला दुर्ग, जोत कुंवर पिता/पति-अलालराम साहू पता-उरला भिलाई 03 जिला दुर्ग, गंगूराम साहू पिता/पति-अलालराम साहू पता-उरला भिलाई 03 जिला दुर्ग के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 20/11/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय नायब तहसीलदार भिलाई- 3 पर की जायेंगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 28/10/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

चंद्रशेखर कंवर
नायब तहसीलदार
भिलाई-3, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

त्योहार: अंचल के विभिन्न गांवों में मातर उत्सव की धूम, राउत नाचा की परंपरा को रखा कायम

हर्षोल्लास के साथ मना मातर व भाई दूज पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंडा

यदु समाज और यादव समाज के लोगों ने गोवर्धन पूजा व मातर त्योहार भाई चारा व शांतिपूर्ण से मनाई

दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र में भाई-दूज व मातर उत्सव धूमधाम से मनाया गया। यदु समाज और यादव समाज भाई चारा व शांतिपूर्ण तरीके से मातर उत्सव से मनाई। भगवान श्रीकृष्ण और बलराम का वेशभूषण करके शोभायात्रा में यादव और यदु की टोली में सामाजिक युवक-युवतियों और बच्चों का राउत नाचा आकर्षक रहा। दीपावली पर्व अंचल में उत्साह व उमंग से मनाया गया। इस वर्ष भी गोवर्धन पूजा और भाईदूज मातर उत्सव यादव समाज द्वारा विशेष सहयोग से मनाया गया। गोवर्धन पूजा के दिन यादव के अगुवाई में यादव बंधुओं की टोली ने बाजा के साथ घर-घर जाकर सोहई बांधने की परंपरा पूरा किया। ग्राम अंडा, चिंगरी, कुथरेल, विनायकपुर , निकुम, जंजगिरी, चंदखुरी, ओटेबंद, सिरसिदा, परसदा, डगनिया, नाहंदा, गुरेदा, देवरी ख, खप्परवाड़ा, तिरगा, झोला सहित अन्य गांव में हर्षोल्लास के साथ मातर उत्सव मनाया। वहीं अखाड़ा की प्रस्तुति दी गई, सहाड़ा देव स्थल पर दोपहर में यादव समाज द्वारा गौ माता के पूजा-अर्चना कर मातर स्थल पर गौ माता को भ्रमण कराया गया और तुमा, कुम्हड़ा को गौ माता के पैर में खुंदाई कर शाम को महा प्रसादी खिचड़ी बनाकर पूरे गांव वाले शांतिपूर्ण से एक जगह बैठकर प्रसाद का आनंद लेते हैं। यदु समाज और यादव समाज के ओमप्रकाश यादव, चेतन यादव, भागवत यदु, बंशी यदु, संतोष यदु, गजानंद यदु, जहरीत यदु, मयाराम यदु, दयाराम यदु, कोमल यदु, इन्द्रजीत, दुर्गेश, पियुष, लक्ष्मण, सुदर्शन यादव, फिरंगी यादव, संतोष, इंदल, पितांबर, गैंद सहित अन्य यादव समाज व अन्य युवक-युवतियों ने पारंपरिक वेशभूषा में राउत नाचा का प्रदर्शन किया। राउतनाचा से लोग काफी प्रभावित हुए। शोभायात्रा वार्ड के प्रमुख मार्गो से होते हुए कार्यक्रम स्थल सहाड़ा देव परिसर पहुंचा, जहां मातर उत्सव का विशेष आकर्षण राउत नाचा का सभी समाज के महिला-पुरूष, बच्चों ने आनंद उठाकर खीर-खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुए। इस अवसर पर गांव के सरपंच पुष्पा देशमुख ने सभी ग्रामवासी को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दी।

गोवर्धन पूजा कर सेलूद के गौठान में गायों को खिलाया गया खिचड़ी

सेलूद। ग्राम सेलूद के किसानों ने गौवंश से अपने फसल बचाने के उद्देश्य से गौठान में रखने का व्यवस्था बनाए है। पिछले ढाई महीने से यह व्यवस्था ग्राम सेलूद के गौठान में संचालित है। गोवर्धन पूजा के अवसर पर पूरे देशभर में गोवर्धन का पूजा-अर्चना कर खिचड़ी खिलाई जाती है।

उसी परिपेक्ष्य में सेलूद के गौठान में किसानों द्वारा गौवंश का पूजा-अर्चना कर खिचड़ी खिलाया गया। इस अवसर पर दुर्ग जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के पूर्व अध्यक्ष जवाहर वर्मा, पाटन जनपद सदस्य खिलेश बबलू मारकंडे, ग्राम पंचायत सेलूद के सरपंच खेमिन साहू, मंडल अध्यक्ष खेमलाल साहू, टामन लाल साहू, अजय सिंह, अशोक जैन, रुरेन्द्र देवांगन, अशोक बंछोर, आर्यन बंछोर, संतोष यादव, अनिल बनपेला, बलराम वर्मा, सालिक राम ठाकुर, झम्मन यादव, करन धनकर, अरविंद, बुटा चक्रधारी, हल्लु यादव, धनेश बंजारे आदि उपस्थित थे।

ग्रामीण खेल व अखाड़ा प्रदर्शन के साथ मातर पर्व मनाया, हुए अनेक पारंपरिक खेल

सेलूद। दीपावली पर्व जो खुशियों का त्योहार मनाया जाता है, जो विभिन्न परम्पराओं का समेटे हुए हैं। कोसरिया यादव समाज व ग्राम सेलूद के ग्रामवासियों के संयुक्त आयोजन के तहत ग्राम सेलूद जहां पर प्रतिवर्ष अखाड़ा व ग्रामीणों के कुर्सी दौड़ खेल के साथ भाठापारा सेलूद के मैदान में कुर्सी दौड़ के साथ अखाड़ा के करतब और मातर पर्व मनाया गया। इस ग्रामीण खेल में महिला वर्ग में कुर्सी दौड़ में प्रथम अंजनी धनकर, द्वितीय साक्षी यादव, पुरुष वर्ग में कुर्सी दौड में प्रथम खोमेश कुमार, द्वितीय भावेश जागडे, महिला वर्ग में गोला फेक में प्रथम रामेश्वरी, द्वितीय खिलेश्वरी, गोला फेक पुरुष वर्ग प्रथम चंदन राजपूत, द्वितीय होमेश यादव, मटका फोड़ महिला वर्ग में प्रथम लक्ष्मी साहू, द्वितीय ज्योति साहू ने प्राप्त किया। रस्सा खींच में तामेश्वरी ग्रुप प्रथम, द्वितीय उर्मिला यादव की ग्रुप रही। वहीं समाज की मांग पर अखाड़ा स्थल को पच्चीस लाख रुपये की लागत से आकर्षण अहाता निर्माण किया गया है। इसी स्थल पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। पिछले कई सालों से उपस्थित ग्रामीणों को खीर वितरण किया जाता है। संजय यादव ने बताया कि समाजिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए हर साल यादव समाज ने विशेष तौर पर मातर मिलन समारोह कर रहे ताकि छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा को बचाये रख सके व लोगों को उनसे अवगत करवाया जाए। मातर के दिन दिनभर विभिन्न प्रकार के पूजापाठ भी होते हैं जो सवेरे से शाम तक चलता है। इस अवसर पर ग्राम सेलूद में मातर पर्व का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों का कुर्सी दौड़ के साथ बिसौहा यादव, छेदुराम यादव के मार्गदर्शन में अखाड़ा का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर जयश्री वर्मा, खिलेश बबलू मारकंडे, खेमिन साहू, ग्राम सभा अध्यक्ष सुरेन्द्र बंछोर, चंचल यादव , संजय यादव, मन्नू यदु, रवि पटेल, चिंटु टिकरिहा, खेमलाल साहू, सुरेन्द्र कुर्रे, सुरेखा सेन, तामसेन साहू, दिनेन्द्र जांगडे, प्यारेलाल साहू, दउवा राम वर्मा, बलराम वर्मा, कीर्तन देवांगन, झम्मन यादव, त्रिभुवन यदु, रमेश देवांगन, टामन लाल साहू, होमेश यादव, विजय साहू, शुभम साहू, महेन्द्र साहू आदि उपस्थित थे।

नगर पंचायत उतई में धूमधाम से मनाया गोवर्धन पूजा व मातर उत्सव

उतई। छत्तीसगढ़ संस्कृति का अपना अनोखा ही रंग है यहां दिवाली और गोवर्धन पूजा के बाद माता त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है। माता त्योहार में मातृशक्ति की आराधना किया जाता है। नगर पंचायत उतई के वार्ड 3 में मातर त्योहार बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर गोपाल यादव, नागेश्वर यादव, अमित यादव, राकेश साहू, तामेश्वर साहू, रोशन यादव, अमित यादव, गुड्डु यादव आदि उपस्थित थे।

विनायकपुर में हुआ सुआगीत महोत्सव

अंडा। ग्राम विनायकपुर के पीएम श्री शासकीय प्राथमिक शाला विनायकपुर, संकुल केंद्र विनायकपुर में दीपावली पूर्व सुआगीत महोत्सव का आयोजन किया। जिसमें किशोर कुमार दिल्लीवार संकुल समन्वयक, टीकेन्द्र चन्द्राकर प्रधान पाठक, विजेता सूर्यवंशी, चमेली ठाकुर, खिलेन्द्र यादव के साथ ग्रामीण जन उपस्थित थे। सबसे पहले त्रैमासिक आकलन 2024 में अच्छा प्रदर्शन करने वालों बच्चों को पुरस्कृत किया गया। शाला के अध्ययनरत कक्षा 1-5 तक के बच्चों ने पारंपरिक सुआगीत, राऊत नाच की छत्तीसगढ़िया विधा को जीवंत कर दिए। अध्ययनरत बच्चे स्वस्फूर्त होकर नृत्य और पारंपरिक वेशभूषा की तैयारी किये। सामुदायिक सहभागिता के अंतर्गत बच्चों को छत्तीसगढ़ी संस्कृति से जोड़ने का प्रयास किया गया। तीज त्योहार के माध्यम से उसमें निहित वैज्ञानिकता और महत्व पर प्रकाश डाला गया। किशोर दिल्लीवार ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन के द्वारा भी बच्चों में दक्षता का विकास संभव है। प्राथमिक शाला विनायकपुर के प्रधान पाठक टीकेन्द्र चन्द्राकर एवं सभी शिक्षकों के विशेष प्रयास से प्राथमिक शाला को समुदाय से भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है।

विधायक ईश्वर ने किया नवीन पंचायत भवन का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धमधा

धमधा ब्लाक के ग्राम पंचायत फुंडा (बोरी) में नवीन पंचायत भवन का लोकार्पण कार्यक्रम साजा विधायक ईश्वर साहू के मुख्य आतिथ्य में सम्पन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष माया बेलचंदन ने की। विशेष अतिथि जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र साहू, बोरी मंडल अध्यक्ष कृष्णा पटेल, जिला भाजपा मंत्री पवन शर्मा, संजय कश्यप, भोमराज जैन, जोहन वर्मा महामंत्री, सूरज देशमुख, अरविंद पटेल उपस्थित थे। इस अवसर विधायक ईश्वर साहू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में विकास की गंगा बहाई जा रही है। भाजपा जो कहती है वो करती है इसलिए आप लोग कांग्रेस के झूठे वायदों में मत पड़ना। अभी पंचायत चुनाव एवं नगर पंचायत में भाजपा के ज्यादा से ज्यादा प्रतिनिधि चुनिए विकास की कोई कमी नही रहेगी। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र साहू ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यकर्ताओं में जोश भरा। इस अवसर पर बोरी मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं सहित आदि उपस्थित थे।

■ कार्यक्रम में संबोधित कर कार्यकर्ताओं में भरा जोश

महतारी वंदन योजना वरदान बनीः होरीलाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पाटन

पाटन नगर के बीजेपी नगर अध्यक्ष होरीलाल देवांगन ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन में डबल इंजन की सरकार है वे बखूबी जो वादा राज्य के जनता को दिया था उसको निभा रहे हैं। पाटन नगर के वार्ड 6 में रहने वाली महिलाएं के चेहरे खिल उठी है। होरीलाल देवांगन ने महिलाओं को दिवाली के बोनस के रूप में मिलने वाली महिलाओं के साथ उनके हाल चाल की जानकारी ली। वहीं महिलाओं ने नगर अध्यक्ष को बताया कि शासन के द्वारा हर महीना मिलने वाली एक हजार रुपये से हम बहुत खुश महसूस कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ शासन के महत्वपूर्ण योजना महतारी वंदन योजना वरदान बनी है। राज्य के महिलाओं के खातों में ट्रांसफर किया गया दीवाली की बोनस की तर्ज में एक हजार रुपये के रूप में राज्य शासन के द्वारा 69 लाख 68 हजार लाभकारी महिलाओं के बैंक खाता में कुल 651 करोड़ 37 लाख रु महिलाओं के अंतरित किया गया। महिलाओं को 5878 करोड़ 37 लाख रुपये की सहायता प्रदान किया गया।

तिलखैरी में लक्ष्मी पूजन और नाचा कार्यक्रम आज

अंडा। ग्राम तिलखैरी में विगत वर्षों की भांति धनतेरस से मातर तक लक्ष्मी पूजन का आयोजन किया गया। नवयुवा लक्ष्मी उत्सव समिति एवं समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से पं नीलेश्वर महराज (देवरी) के मार्गदर्शन में श्रद्धा पूर्वक संपन्न हुआ। लक्ष्मी उत्सव के उपलक्ष्य में 4 नवंबर को गोपाल बलराम नाच पार्टी निपानी (बालोद) द्वारा रात्रि कालीन नाचा कार्यक्रम रखा गया है। लक्ष्मी उत्सव के सफल संचालन में तामेश्वर यादव, बिरझूराम निषाद, रोमलाल निषाद, नाथूराम ठाकुर, बबलू साहू आदि का सहयोग रहा।

90 दिन के बाद भी नहीं हुआ नामांतरण नगर पंचायत धमधा का कारनामा

धमधा। धमधा नपं के लोग कितने परेशान है इनका पता ऐसे पता लग रहा है कि 90 दिन के बाद भी लोगों का नामांतरण नही हो रहा है। मामले में पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष नवीन जैन ने बताया कि धमधा नगर पंचायत में कोई नियम कानून नही चल रहा है। धमधा नगर पंचायत ने 26 जून 2024 को 16 लोगों का नामांतरण का इश्तिहार प्रकाशित किया था। जिसमें 90 दिनों के बाद कोई आपत्ति नहीं आने पर उनका नामांतरण होने की जानकारी दिया गया है। लेकिन आज 90 दिन से ज्यादा समय होने पर भी नामान्तर नही होना भाजपा कार्यकर्ताओं को परेशान करना दर्शाता है। श्री जैन ने बताया कि इसके पूर्व धमधा नगर पंचायत में 30 दिनों में ही नामांतरण किया जाता था, लेकिन आज 90 दिनों तक लोगो को परेशान करने के उद्देश्य से नियम लगाया गया है और 90 दिन निकलने के बाद भी नामांतरनण नही किये जाने से नगरवासी परेशान है। ऐसे दोहरी नियम लागू करके लोगों को परेशान करने वाले अधिकारी के ऊपर सख्त कार्यवाही की मांग की है।

■ परेशान करने वाले अधिकारी पर कार्रवाई की मांग की

पूर्व सीएम ने सभी वर्गों के हित का ध्यान रखाः अशोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सेलूद

ग्राम पंचायत फेकारी में लोकार्पण एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रतिनिधि अशोक साहू उपाध्यक्ष ज़िप दुर्ग थे। अध्यक्षता देवेंद्र चंद्रवंशी उपाध्यक्ष जप पाटन ने किया। विशेष अतिथि राकेश ठाकुर अपेक्स बैंक के पूर्व डायरेक्टर, अगेश्वर साहू, महेंद्र वर्मा अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस, रत्ना ठाकुर सदस्य जप थे। मुख्य अतिथि जिपं उपाध्यक्ष साहू ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के जनहित में किए गए कार्यों की प्रशंसा करते हुए सभी वर्ग के लिए हितकारी था। पूर्व जिपं सभापति, किसान नेता राकेश ठाकुर ने किसानों को अपनी ऊपज का वाजिब दाम, कर्जमुक्त बनाने का श्रेय पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश का है। युवा, महिलाएं, भूमिहीन मजदूर, आदिवासी सहित सड़क, सिंचाई, नलजल एवं अधोसंरचना के लिए करोड़ों की स्वीकृति कर पूर्व मुख्यमंत्री ने इतिहास रचा है। लोकार्पण में सर्व समाज मंगल भवन 23.50 लाख, आदिवासी भवन 6.50 लाख, सामुदायिक भवन 6.50लाख के विकास कार्य का हुआ। साथ ही अतिथियों के द्वारा सभी पंचायत प्रतिनिधियों का सम्मान साल, श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह से किया गया। स्वागत भाषण सरपंच टिकेश्वर साहू, मंच संचालन योगेश साहू अध्यक्ष ग्राम विकास समिति एवं आभार पवन पटेल पूर्व सदस्य शाकंभरी बोर्ड ने किया। इस अवसर पर मकुंद ठाकुर, वेदप्रकाश साहू, बिसालिक ठाकुर, होशलाल चंद्राकर, भगवान सिंह साहू, तोरण ठाकुर, देवनारायण साहू, चिंता ठाकुर, गायत्री ठाकुर, लक्ष्मण साहू, सनत साहू आदि उपस्थित थे।

■ फेकारी में हुआ विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं सम्मान समारोह

खबर संक्षेप

बीएसपी ने किया मेगा क्विज का आयोजन

भिलाई। बीएसपी के मानव संसाधन विकास विभाग के सहयोग से विजिलेंस-क्वेस्ट-2024 नामक मेगा क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गयाएजीएम हिमांशु दवे ने सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने ज्ञान, त्वरित सोच और खेल भावना का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में वरिष्ठ प्रबंधक निवेश विजयन और एके वेंकट प्रसाद राव की टीम विजेता रही। वरिष्ठ प्रबंधक सोनल श्रीवास्तव और जेईसी प्रीति रावत की टीम ने द्वितीय स्थान तथा एजीएम उमेश साहू और जेईए रंजन गोस्वामी की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में 20 टीमों ने भाग लिया, जिनमें से 6 टीमों को अंतिम दौर के लिए चुना गया।

बीएसपी प्रबंधन ने सीजीएम कनरार को सेवानिवृत्ति पर दी विदाई

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन ने कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग के मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तरुण कनरार को सेवानिवृत्ति पर स्टील क्लब, सेक्टर-8 में आयोजित समारोह में भावभीनी विदाई दी। के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तरुण कनरार को सम्मानित किया। श्री कनरार की पत्नी सुतापा कनरार भी उपस्थित थीं। इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, बिपिन कुमार गिरी, सीएमओ डां. एम रवींद्रनाथ सपत्निक उपस्थित थे। श्री दासगुप्ता ने श्री करनार के स्वस्थ और सुखद जीवन की कामना की और उनकी लंबी सेवा अवधि के दौरान उनके सराहनीय योगदान के लिए सराहना की। श्री कनरार ने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) में अपने सेवा अनुभव और भविष्य की योजनाओं को साझा किया।

शिव महापुराण कथा आज से

अंडा। दुर्ग ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र के ग्राम अंडा मिलपारा (आरा मशीन) मोहल्लावासी एवं समस्त ग्रामवासी अंडा के तत्वावधान में श्री शिव महापुराण कथा 4 नवंबर से रखा गया हैं।

भ्रष्टाचार देश की अर्थ व्यवस्था को दीमक की तरह कर रहा खोखला

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के सतर्कता विभाग द्वारा, सतर्कता जागरूकता सप्ताह के समापन समारोह का आयोजन महात्मा गांधी कलामंदिर में किया गया। समारोह में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं और निर्णायकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बीएसपी के कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक एस मुखोपाध्याय, अशोक कुमार पंडा, पवन कुमार, बीके गिरी, सीएमओ एम रविन्द्रनाथ, केसी मिश्रा, सेफी चेयरमेन तथा ओए–बीएसपी के अध्यक्ष एन के बंछोर, महासचिव परविंदर सिंह, महाप्रबंधक व एसीवीओ सत्यब्रत कर सहित संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी आदि उपस्थित थे। समारोह की शुरुआत बीएसपी स्कूलों के स्कूली छात्र–छात्राओं द्वारा स्वागत गीत के बाद महाप्रबंधक सत्यब्रत कर द्वारा स्वागत भाषण दिया । अंजनी कुमार, ने कहा कि हमने हर संभव स्तर पर भ्रष्टाचार की जांच और नियंत्रण के लिए विभिन्न आईटी उपकरणों व तकनीकों का भी सहारा लिया है। आज हमारा देश प्रगति के मार्ग पर है लेकिन भ्रष्टाचार की बुराई किसी दीमक की तरह विभिन्न स्तरों पर हमारे संस्थानों और भारतीय अर्थव्यवस्था को खोखला करने का प्रयास कर रहा है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2024 के अंतर्गत सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, सेक्टर–7 में आयोजित वाद–विवाद प्रतियोगिता के विजेता छात्रों ने अपनी प्रस्तुति दी। प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों के विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। विभास उपाध्याय, अनीता उपाध्याय और उनकी टीम को कठपुतली शो प्रदर्शन के लिए उपस्थित अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। निर्णायकों और बीएसपी स्कूलों के एथिक्स क्लब के छात्रोंको सुनीति उद्यान, सेक्टर–8 में नैतिकता के बारह स्मारकों पर अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में महाप्रबंधक संदीप गुप्ता द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा संचालन सहायक महाप्रबंधक (सतर्कता) मो. नौशाद आलम द्वारा किया गया था।

सतर्कता जागरुकता सप्ताह का समापन

कठपुतली शो व लघुफिल्मों का प्रदर्शन

इस वर्ष के सतर्कता जागरूकता सप्ताह की थी राष्ट्र की समृद्धि" विषय पर जागरूकता बढ़ाने के लिए कठपुतली शो का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं की झलकियों पर एक लघु फिल्म का भी प्रदर्षन किया गया।

वर्क्स और नान वर्क्स एरिया में कई कार्य चल रहे ठेके पर

भिलाई इस्पात संयंत्र में धीरे-धीरे कस रहा आउटसोर्सिंग का शिकंजा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिलाई

सेल के सबसे बड़े संयंत्र भिलाई इस्पात संयंत्र में आउटसोर्सिंग का शिकंजा तेजी से कस रहा है। इसका चौतरफा खामियाजा कर्मियों के साथ ठेका मजदूरों को भी भुगतना पड़ रहा है। यूनियनों के मुताबिक धीरे धीरे बीएसपी का किश्तों में निजीकरण किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि ओए सेफी के साथ यूनियनों द्वारा भी इस्पात उद्योगों के निजीकरण के सरकार के निजीकरण के प्रयासों की खिलाफत की जा रही है। आरआईएनएल और नगरनार इस्पात संयंत्र के घाटे में होने कारण इन उपक्रमों के निजीकरण की तैयारी जोरों पर है। सेफी द्वारा इनके निजीकरण के बजाए सेल में विलय की मांग की जा रही है। वहीं बीएसपी में भी आउटसोर्सिंग तेजी से बढ़ रहा है । यूनियनों के मुताबिक बीएसपी का भी टुकड़े टुकड़े में ठेकाकरण किया जा रहा है। संयंत्र में टाउनशिप की सफाई, बिजली की मीटर रीडिंग, सेक्टर 9 हास्पिटल में क्लीनिंग, अटेंडेंट, कुछ चिकित्सक आउसोर्स पर हैं । मैत्रीबाग का मेंटेनेंस भी निजी कंपनी देख रही है। उद्यानिकी विभाग में अधिकतर मजदूर ठेका श्रमिक हैं।

नियमित व ठेका मजदूरों पर बढ रहा वर्कलोड

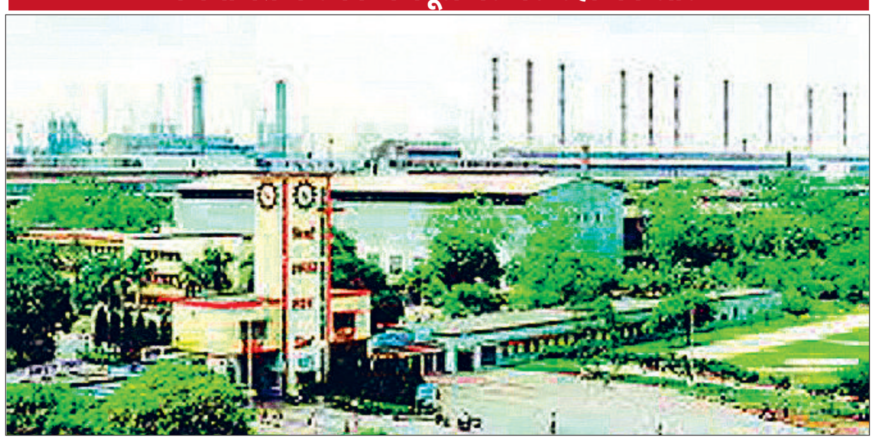

प्लांट में मेंटेनेंस का काम ठेके पर

भिलाई इस्पात संयंत्र में कई विभागों के मेंटेनेंस का काम निजी कंपनियां कर रही हैं। लोको विभाग में 74 लोको पायलट ठेके पर हैं। आधा दर्जन बड़े काम टाटा कंपनी के पास हैं। इनके अलावा दो दर्जन से अधिक बड़ी कंपनियां कई मिलों व शाप्स के अनुभागों में सिविल, इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल का काम देख रही हैं । यूनियनों के मुताबिक पहले सिविल, इलेक्ट्रिकल व मैकेनिकल के काम सीधे बीएसपी देखती थी । इसके बाद यह तीनों काम अलग अलग निजी कंपनियों को दिए जाते थे । लेकिन पिछले कुछ समय से तीनों काम एक ही कंपनी के दिए जा रहे हैं।

हजारों ठेका मजदूर कर रहे गैर उत्पादन कार्य

बीएसपी में एक तरफ नियमित कर्मचारी और अधिकारी तेजी से रिटायर हो रहे हैं। वहीं उतनी तेजी से ठेका मजदूरों का तादाद बढ़ रही है। संयंत्र में 22 हजार से अधिक ठेका मजदूर कार्यरत हैं। यह श्रमिक वह सभी गैर उत्पादन कार्य कर रहे हैं, जो कभी नियमित कर्मचारी किया करते थे। वर्तमान मे मात्र 12 हजार नियमित कर्मचारी और ढाई हजार अधिकारी बच रह गए हैं। मजदूरों की तरह सेवानिवृत्त अधिकारियों को भी संविदा की तरह रखा जा रहा है। यूनियनों के मुताबिक नई भर्ती नहीं किए जाने से नियमित व ठेका मजदूर दोनों पर वर्कलोड बढ़ रहा है।

एफएसएनएल के निजीकरण से गिरा मनोबल

भारत सरकार के चालीस साल पुराने और शुरु से प्राफिट से में रहे फेरो स्क्रेप निगम लिमिटेड का निजीकरण हो जाने से एफएसएनएल के कर्मियों के साथ बीएसपी सहित सेल के कार्मिकों का मनोबल गिरा है। यूनियनों के अनुसार एफएसएनएल भले ही सीधे सेल का उपक्रम नहीं है लेकिन सेल के सभी इस्पात संयंत्र के स्क्रैप का सप्लाई से जुड़ा था। सरकार के इस उपक्रम के निजीकरण का विरोध यूनियनों के साथ सेफी द्वारा भी कर सेल में विलय की मांग की जा रही थी। इसके बाद भी निजीकरण से यह संदेश गया कि जब एक प्राफिट वाले उपक्रम को निजीकरण हो सकता है तो अन्य उपक्रमों पर भी सरकार का शिकंजा कसता जाएगा।

भिलाई नगर स्टेशन की बदल रही तस्वीर

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिलाई

टाउनशिप के मध्य में स्थित भिलाई नगर रेलवे स्टेशन के कायाकल्प हो जाने से जल्द ही लोगों को सुविधा मिलेगी। केंद्र सरकार द्वारा देश के 749 स्टेशनों को माडल स्टेशन के रुप में विकसित किये जाने की योजना के तहत भिलाई के पचास साल पुराने इस स्टेशन का संधारण कार्य भी तेजी से चल रहा है। इससे यात्रियों को यहां कई नई सुविधाओं के साथ लंबी दूरी के एक्सप्रेस ट्रेनों के भी स्टापेज की उम्मीद बंधी है।

- बन रहे मेन गेट, प्रतीक्षालय बनकर तैयार

सेक्टर 6 चौक से लगे भिलाई नगर स्टेशन का विस्तारीकरण कार्य तेजी से चल रहा है । स्टेशन को आकर्षक रुप से बनाया जा रहा है। इसके तहत सुविधाओं को संधारित किया जा रहा है। स्टेशन के सभी प्लेटफार्म 1, 2,3,4 और 5 में में नए शेड लगाए जा चुके हैं। पूरे फर्श में टाइल्स भी लगाए गए हैं। सभी प्लेटफार्म में यूरिनल न टायलेट बनाए जा रहे हैं। फुटओवरब्रिज में नई इलेक्ट्रिकल वायरिंग और फर्निशिंग का काम जारी है। स्टेशन के महाराणा प्रताप चौक साइट पर प्रवेश गेट का निर्माण हो रहा है। टिकट काउंटर व प्रतीक्षालय कक्ष का निर्माण हो चुका है। सायकल स्टैंड की बाउंड्रीवाल का भी निर्माण हो गया है।

लगेगी लिफ्ट और टिकट आरक्षण मशीन

भिलाई नगर स्टेशन में यात्रियों के लिए कई नई सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। इसके तहत सभी प्लेटफार्मों पर लिफ्ट लगाई जाएगी। स्टेशन में टिकट बुकिंग व आरक्षण मशीन भी लगाई जाएगी। दिव्यांग यात्रियों के लिए भी सुविधा रहेगी। इसके अलावा स्टेशन में कुछ और एक्सप्रेस गाड़ियों के स्टापेज बढ़ाए जा सकते हैं। अभी यहां लोकल, पैसेंजर व कुछ एक्सप्रेस ट्रेनों के ही स्टापेज हैं। यात्री लंबे समय से यहां लंबी दूरी की गाड़ियों के स्टापेज की मांग कर रहे हैं। अभी उन्हें दुर्ग दुर्ग और पावरहाउस स्टेशन जाना पड़ता है।

बीएसपी के 8 कार्यपालकों को दी भावभीनी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के खदान विभाग सहित विभिन्न विभागों में पदस्थ आठ कार्यपालक सेवानिवृत्त हो गए। सेवानिवृत्त होने वाले कार्यपालकों के लिए विदाई समारोह का आयोजन इस्पात भवन स्थित निदेशक प्रभारी सभागार में किया गया। निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता तथा कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने कार्यपालकों को सेवानिवृत्ति आदेश और सेवा प्रमाण पत्र प्रदान किया तथा उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों ने सेल में अपने सेवा अनुभव और सेवानिवृत्ति के बाद भविष्य की योजनाओं को भी साझा किया। अक्टूबर में सेवानिवृत्त होने वाले कार्यपालकों में शामिल हैं- तरुण कनरार, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी, डां. मीनाक्षी दवे, एसीएमओ अनुराधा सिंह, जीएम वी अनिल कुमार, उप महाप्रबंधक अजय कुशवाहा, उप महाप्रबंधक सतीश कुमार पंचांगम, सहायक महाप्रबंधक दीपक कुमार नायक, सहायक महाप्रबंधक जुगल किशोर सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक शामिल हैं।

कर्मवीर संगठन की रितु ने बनाया वर्ल्ड रिकार्ड

हरिभूमि न्यूज ▸▸ उतई

नेहरू युवा केन्द्र दुर्ग से संबद्ध उतई क्षेत्र ग्राम कातरो का सक्रिय सामाजिक संस्था कर्मवीर युवा संगठन की कार्यकारिणी सदस्य रितु कुम्भकार ने लगातार 2 घंटे 10 मिनट मकरासन योग की स्थिति में बने रहकर योगा बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में अपना नाम दर्ज कराया। कर्मवीर युवा संगठन के संयोजक जितेंद्र सोनी ने बताया कि रितु कुम्भकार

- सवा दो घण्टे मकरासन स्थिति में रहकर रचा कीर्तिमान
- योगा बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज

मकरासन में लगातार 2 घण्टे 10 मिनट तक स्थिर रहने वाली विश्व की पहली बेटी है। योगा बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड के संस्थापक एवं निदेशक राकेश भारद्वाज ने प्रमाण पत्र व मेडल देकर रितु के नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड बनने की घोषणा की। रितु के इस उपलब्धि ने कातरो सहित आसपास के युवतियों व युवकों को योग के प्रति आकर्षित किया है और गांव

का नाम विश्व पटल पर गौरवान्वित किया है।

वहीं उनके योग प्रशिक्षक हिमांशु केसरवानी से वर्ल्ड रिकॉर्ड के बारे में अप्रैल में पता चला तो और भी कड़ी मेहनत शुरू कर दी। वह रोज सुबह 4 से 7 बजे तक लगातार मकरासन का अभ्यास करती थी। शुरुआत में ही 30 मिनट स्थाई अभ्यास के साथ शुरू हुई मेहनत 3-4 महीने में ही सवा दो घंटे का स्थाई अभ्यास होने लगा। इस मेहनत ने उसे लांगेस्ट यंगेस्ट एचीवर योगा वर्ल्ड रिकॉर्ड कैटेगिरी में अपना नाम दर्ज कराया। इस उपलब्धि के लिए अपने योग गुरु हिमांशु केशरवानी व कर्मवीर युवा संगठन कातरो के साथ माता देवंतीन बाई एवं पिता चम्पालाल कुम्भकार को दिया है। नेहरू युवा केन्द्र दुर्ग के जिला युवा अधिकारी नितिन शर्मा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के दौरान स्वयं उपस्थित होकर साक्षी बने। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने रितु और उनके माता-पिता को शुभकामनाएं दी कहा रितु की कड़ी मेहनत ने ग्राम कातरो को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई है।जिला पंचायत कृषि सभापति योगिता चंद्राकर ने कातरो की बेटी ने नया कीर्तिमान स्थापित कर समाज को बताया है कि बेटी किसी से कम नहीं है वह सब कुछ कर सकती है। रितु अन्य लड़कियों के लिए भी प्रेरणा बनेगी। रितु के इस उपलब्धि के लिए कर्मवीर युवा संगठन और शौर्य युवा संगठन के सभी पदाधिकारी, ग्राम सरपंच, उपसरपंच, पंचगण, एनवाईके दुर्ग के सलाहकार आदित्य भारद्वाज, शुभम सोनी, केवल देवांगन, मनीष, देवेंद्र, श्रीकांत, ऋषि साहू, ऋषि देवांगन सहित ग्राम व क्षेत्र के लोगों ने शुभकामनाएं दी है।

छठ पर्व के लिए होगी तालाबों की सफाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिलाई

छठ पर्व के लिए टाउनशिप के तालाबों के लिए तालाबों की सफाई कराई जाएगी। इसके लिए नगर निगम द्वारा सफाई और लाइटिंग आदि के निर्देश दिए गए हैं। लोगों ने त्योहार का तैयारी भी शुरु कर दी है।

छह और सात नवंबर को लोक पर्व छठ पर लोग बड़ी तादाद में तालाबों में उमड़ेंगे । छठ का त्योहार यूपी बिहार के निवासियों द्वारा मनाया जाता है। इसे देखते हुए पार्षदों ने निगम से जल्द सभी तालाबों की सफाई की मांग की है। छठ पर सेक्टर 2 तालाब, सेक्टर 7 तालाब, जयंती स्टेडियम तालाब में व्रती परिवार के साथ सूर्योपासना के लिए पहुंचेंगे। इसे देखते हुए इन सभी तालाबों की सफाई के निर्देश दिए गए हैं। तलाबों में घाट और परिसर की सफाई, के साथ बिजली व्यवस्था आदि किया जाना है। विदित हो कि भिलाई में लाखों की संख्या में उत्तर प्रदेश बिहार के मूल निवासी रहते हैं, जो यह त्योहार दिवाली की तरह श्रद्धा हर्षोल्लास से मनाते हैं।

मैत्रीबाग में छुक-छुक गाड़ी के साथ बंद है म्यूजिक फाउंटेन

नन्हे पर्यटकों को मैत्री एक्सप्रेस के हरी झंडी का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिलाई

मैत्रीबाग में ठंड के दस्तक देते ही पर्यटकों को रौनक बढ़ जाएगी। इसे देखते हुए बच्चों के बंद पड़े संसधानों को रिपेयर किए जाने की जरुरत है। इससे चिड़ियाघर का आकर्षण और आय भी बढ़ेगी। वहीं नन्हें सैलानियों को निराश नहीं होना पड़ेगा। लंबे समय से बंद म्यूजिकल फाउंटेन और बच्चों के ट्रेन बंद पड़ी है।

मैत्रीबाग में बेबी ट्रेन और म्यूजिकल फाउंटन बच्चों के मनोरंजन का प्रमुख साधन हैं। लेकिन यह दोनों साधन पिछले करीब पांच साल से बिगड़े पड़े होने से बंद हैं। बच्चों की रेल गाड़ी का इंजिन खराब है, लेकिन इसे अब तक सुधारा नहीं जा सका है। बताते हैं कि ट्रेन का इंजिन चालीस साल पुराना होने से इसके

खराब हो चुके कुछ कलपुर्जे बाजार में उपलब्ध नहीं हैं। इसके चलते बच्चे छुकछुक गाड़ी का मजा नहीं ले पा रहे हैं। पिछले चालीस साल से बेबी ट्रेन बच्चों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। पर्यटकों ने बताया कि प्रबंधन को लंबे समय से बिगड़े पड़े ट्रेन के इंजिन को जल्द ठीक करवाकर इस ट्रेन का फिर से जल्द चालू कराने की जरुरत है। मैत्रीबाग में सबसे ज्यादा नन्हें पर्यटक ही आते हैं। उल्लेखनीय है कि मैत्रीबाग प्रबंधन द्वारा पांच डिब्बों की मैत्रीबाग एक्सप्रेस नामक रेल बच्चों की पसंदीदा है। इसके लिए मैत्री स्टेशन के साथ आधा किमी से कम आकर्षक घुमावदार रेलवे ट्रैक भी है, जो जंगलनुमा सघने पेड़ों और पुलियों के बीच से गुजरते हुए रोमांचक सफर कराती है। पालकों के साथ छोटे बच्चों का यह सफर रोमांचक हुआ करता था।

म्यूजिकल फाउंटेन का इंतजार

मैत्रीबाग में म्यूजिक फाउंटेन भी दस साल से अधिक समय से बंद है। इसकी वजह फाउंटेन की भी मोटर आदि कुछ उपकरण खराब होना बताया जा रहा है। फाउंटेन के बंद होने से पर्यटक इसका लुत्फ नहीं उठा पा रहे हैं। पर्यटकों ने बताया कि आकर्षक फाउंटेन और बेबी ट्रेन के जल्द शुरु हो जाने से पर्यटकों को रोमांचक सुविधा के साथ मैत्रीबाग का राजस्व भी बढ़ेगा। गौरतलब हो कि प्रबंधन द्वारा यहां आकर्षक म्यूजिकल फाउंटेन वर्ष 1999 में शुरु किया गया था। तब यह बैंगलुरु के बाद देश का पहला अनूठा म्यूजिकल फाउंटेन था। यह फाउंटेन संगीत की सुरीली धुन के अनुरुप सतरंगी जलधाराओं के नृत्य से आकर्षण का केंद्र हुआ करता था। कई पर्यटक तो इसका शो देखने ही मैत्रीबाग आते थे। फाउंटेन के हफ्ते में दो दिन शो होते थे। लेकिन पिछले दस साल से यह फाउंटने बिगड़ा पड़ा है।

04

एक तीर से दो शिकार

लाइव इवेंट

सेंट थॉमस मिशन की 52वीं वर्षगांठ पर 5 नवंबर को समारोह

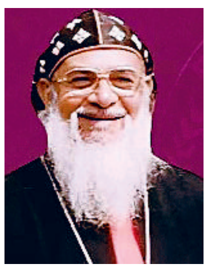

भिलाई। चेन्नई और कलकत्ता डायोसिस के प्रथम मेट्रोपोलिटन और सेंट थॉमस मिशन भिलाई के संस्थापक निदेशक स्वर्गीय डॉ. स्टेफनोस मार थियोडोसियस का 17वां स्मरणोत्सव 3 से 5 नवंबर तक मनाया जा रहा है। सेंट थॉमस मिशन चैपल भिलाई में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। समारोह धूमधाम से मनाया जा रहा है। अंकमाली के डायोसिस मेट्रोपोलिटन एचजी युहानोन मार पॉलीकार्पोस इस आयोजन में मुख्य रूप से शामिल हो रहे हैं। 5 नवंबर को ही सेंट थॉमस मिशन भिलाई की 52वीं वर्षगांठ भी है। इस अवसर पर 5 नवंबर को सुबह 11 बजे से प्रार्थना, प्रसाद और आशीर्वाद समारोह का भी आयोजन किया गया है। इस अवसर पर कलकत्ता धर्मप्रांत के महानगर एवं सेंट थॉमस मिशन के निदेशक एलेक्सियोस मार युसेबियस, सचिव कलकत्ता डायोसिस फादर जैकम थॉमस, फादर स्टेगिन जॉन मैथ्यू प्रमुख रूप से मौजूद रहेंगे। समारोह में दुर्ग, भिलाई के अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोग पहुंच रहे हैं। इस अवसर पर नियमित रूप से प्रार्थना सभा के अलावा अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। मिशन के विचारों से क्रिश्चियन समुदाय के लोगों को अवगत कराया जा रहा है। इसमें जीओ और जीने दो की बात कही जा रही है।

सिटी इवेंट

अंडर-14 एलिट ग्रुप क्रिकेट प्रतियोगिता 6 से सेक्टर-1 सहित 4 जगहों पर खेले जाएंगे मैच

भिलाई। अंडर-14 एलिट ग्रुप क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 6 नवंबर से किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ (सीएससीएस) द्वारा आयोजित यह प्रतियोगिता भिलाई के सेक्टर-1 सहित प्रदेश के 4 जिलों में खेली जाएगी। इसमें कुछ 8 टीमें भाग ले रही हैं। भिलाई के सेक्टर-1 बीएसपी ग्राउंड में 6 नवंबर को पहला मैच प्लेट कंबाइंड और रायपुर के बीच खेला जाएगा। इसी दिन एक अन्य मैच राजनांदगांव और बीएसपी के मध्य खेला जाएगा। यह मैच दल्लीराजहरा में खेला जाएगा।

- छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ का आयोजन, 8 टीमें लेंगी भाग

प्रतियोगिता में भाग लेनी वाली आठों टीमों को दो पूल में बांटा गया है। प्रत्येक पूल में 4-टीम को रखा गया है। पूल ए में राजनांदगांव, बीएसपी, प्लेट कंबाइंड, रायपुर शामिल की गई हैं। वहीं पूल बी में बिलासपुर, जसपुर, बीसीए और रायपुर ब्लू की टीम को रखा गया है।

जानकारी के मुताबिक 18 से 20 नवंबर के बीच फाइनल मैच खेला जाएगा। पूल ए में 9 और 10 नवंबर को राजनांदगांव और रायपुर के मध्य दल्लीराजहरा, प्लेट कंबाइंड और बीएसपी के बीच सेक्टर-1 भिलाई, 12 और 13 नवंबर को बीएसपी और रायपुर, प्लेट कंबाइंड और राजनांदगांव के बीच मैच खेला जाएगा। पूल बी में 6 नवंबर को बिलासपुर और जसपुर के बीच धमतरी, बीसीए और रायपुर ब्लू के बीच कांकेर, 9 नवंबर को जसपुर और बीसीए के बीच धमतरी, बिलासपुर और रायपुर ब्लू के बीच कांकेर में मैच खेले जाएंगी। इसी प्रकार 12 नवंबर को रायपुर ब्लू और जसपुर के बीच धमतरी और बिलासपुर और बीसीए के बीच कांकेर में मैच खेले जाएंगे। सेमीफाइनल मैच पूल ए विजेता और पूल बी की उपविजेता के बीच सेक्टर-1 में 15 और 16 नवंबर को खेला जाएगा। इसी दिन दूसरा सेमीफाइनल धमतरी में पूल बी विजेता और पूल ए उपविजेता के बीच होगा।

सिटी इवेंट

गोविंद पाल को नासिक में विद्योत्तमा साहित्य सम्मान

भिलाई। समाज के विभिन्न क्षेत्र की विभिन्न विधाओं में पुस्तक लिखने वाले लेखकों को विद्योत्तमा फाउंडेशन नासिक महाराष्ट्र द्वारा राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित करने हेतु पुस्तक आमंत्रित किया गया था, जिसमें सैकड़ों लेखकों की पुस्तक संस्था के पास पहुंची। इसमें से साहित्य के काव्य विधा के लिए गोविंद पाल की काव्य संग्रह महज़ ये वायरस नहीं को भी शामिल किया गया है। बता दें कि यह राष्ट्रीय सम्मान हिंदुस्तान के कुछ चुनिंदे लेखकों में महज़ ये वायरस नहीं पुस्तक को भी चुना गया है। गोविंद पाल को स्व. अलोक भट्टाचार्य मुंबई की स्मृति में विद्योत्तमा साहित्य भास्कर सम्मान 5 जनवरी 2025 को नासिक में आयोजित होने वाले समारोह में प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम माहेश्वरी भवन आर्टिलरी सेंटर नासिक रोड में होगा। सम्मान स्वरूप गोविंद पाल को सम्मान राशि 5001 रुपए के अलावा विद्योत्तमा भास्कर सम्मान पत्र, प्रतीक चिह्न, शाल, श्रीफल से सम्मानित किया जाएगा। गोविंद पाल को नासिक में रहने ठहरने व भोजन आदि की सारी व्यवस्था संस्था की ओर से प्रदान की जाएगी। गोविंद पाल की इस उपलब्धि के लिए मुक्तकंठ साहित्य समिति के कैलाश कुमार जैन बरमेचा, नरेंद्र कुमार सिक्केवाल, अलोक कुमार चंदा, प्रकाश चन्द्र मंडल, भूषण चिपड़े, मनोज कुमार शुक्ल, डॉ. जय प्रकाश शर्मा, उज्वल प्रसन्ना, डॉ. रौनक जमाल, डॉ बीना सिंह, ब्रिजेश मल्लिक, रीत सिंह, अमन रंगेला, ठाकुर दशरथ भुवाल, प्रदीप भट्टाचार्य, नवेद रजा, नुरूस सबा खान, इस्माइल आजाद, ओमवीर करण, वासुदेव भट्टाचार्य, पल्लव चटर्जी, दुलाल समाद्दार आदि के अलावा सभी सदस्यों ने बधाई दी है।

● राधाकृष्ण मंदिर सेक्टर-6 में गोवर्धन पूजन और अन्नकूट पर विशेष आयोजन

गोवर्धन तेरे माथे मुकुट विराज रहेयो...पर थिरके भक्त

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष प्रतिपदा अर्थात गोवर्धन महापूजा और अन्नकूट महोत्सव का भव्य एवं परंपरागत आयोजन ब्रजमंडल भिलाई के गीताभवन सेक्टर 6 स्थित राधाकृष्ण मंदिर में किया गया। दुर्ग-भिलाई के सभी प्रमुखजन इस आयोजन में शामिल हुए। आयोजन के दौरान भगवान राधा-कृष्ण का विग्रह श्रृंगार, 56 भोग की प्रसादी, गोबर से बने गोवर्धन पर्व और आंध्रप्रदेश से आए कलाकारों की कृष्ण-बलराम की सजीव झांकी और ब्रजभाषा में गाए गए भजन श्री गोवर्धन महाराज तेरे माथे मुकुट विराज रह्यो... मुख्य आकर्षण रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अग्रवाल समाज के संरक्षक और समाजसेवी विजय अग्रवाल प्रमुख रूप से शामिल हुए।

भिलाई। राधा - कृष्ण मंदिर में आयोजित इस कार्यक्रम में भगवान राधाकृष्ण का विशेष श्रृंगार किया गया। इसके बाद विशेष अभिषेक हुआ। पूजन विधि-विधान से पंडित सरजू प्रसाद द्विवेदी ने संपन्न कराया। शाम के समय गोधूलि बेला में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी विजय अग्रवाल सपरिवार शामिल हुए। उनके अलावा समाजसेवी शांतिलाल शर्मा सपरिवार मौजूद थे। पं. सरजू प्रसाद द्विवेदी और पं. सुनील कुमार द्विवेदी ने श्री राधा-कृष्ण मंदिर में महाआरती की। इसके बाद गीताभवन प्रांगण में गोमाता के गोबर से निर्मित भगवान गिरिराज महाराज की पूजा पुष्प, गंध, अक्षत और पारंपरिक खीर, बताशे तथा अठावरी का भोग लगाकर की गई। इस अवसर पर भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। 56 भोग का प्रसाद चढ़ाने के साथ ही प्रसाद वितरण का कार्यक्रम भी हुआ। भक्तों ने दूध, खीर-बताशे से गोवर्धन महाराज की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर ब्रजभाषा में गीत-संगीत का आयोजन किया गया, जिसमें भक्त थिरकते नजर आए। इस अवसर पर ब्रजमंडल के वरिष्ठ सदस्य जगदीश प्रसाद शर्मा, राजपाल सिंह राघव, रतनलाल गोयल, डॉ. आरके मंगल, राकेश कुमार यदुवंशी, सूरज मंगला, प्रदीप कुमार वर्मा, शील कुमार राघव, विरेन्द्र कुमार शर्मा, हरीश कुमार गुहे, राजकुमार वर्मा आदि उपस्थित थे।

आंध्र प्रदेश के कलाकारों ने दी भजनों की प्रस्तुति

आंध्रप्रदेश के घुमंतू कलाकारों द्वारा कृष्ण बलराम की सजीव झांकी प्रदर्शित की गई। उन्होंने भक्ति संगीत और भजनों की विशेष प्रस्तुति दी। मंदिर में पधारे श्रद्धालुओं द्वारा अपने घरों से लाए स्वनिर्मित भोग द्वारा भगवान को छप्पन भोग का भावपूर्वक अर्पण किया गया। समस्त भक्तों ने दूध और खीर-बताशे से गोवर्धन महाराज की प्रदक्षिणा की। ब्रजभाषा के प्रसिद्ध भजन श्री गोवर्धन महाराज तेरे माथे मुकुट विराज रह्यो... भी गाए गए। इस अवसर पर सभी ब्रजवासियों ने आपस में प्रेमपूर्वक मिलकर दीपावली महापर्व की शुभकामनाएं व मंगलकामनाएं दी। समस्त नागरिकों के सुख समृद्धि और उज्जवल भविष्य की भगवान गिरिराज महाराज से प्रार्थना कर कामना की गई।

प्रतिवर्ष किया जा रहा आयोजन

मंदिर समिति के सचिव राजेश शर्मा ने बताया कि अन्नकूट और गोवर्धन पूजन का यह उत्सव प्रतिवर्ष मंदिर प्रांगण में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर भजन-कीर्तन के साथ भोग-प्रसाद वितरण का भी आयोजन किया जाता है। आयोजन में दुर्ग-भिलाई के भक्त शामिल होते हैं। इस वर्ष आयोजन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसमें कलाकारों ने प्रस्तुति दी। सारे संस्कार विधि-विधान से संपन्न कराए गए।

मातर तिहार : दईहान पहुंचे विधायक गजेन्द्र फुलेता लेकर दोहा पढ़ा और गाय को सोहाई बांधी

दुर्ग। मातर त्योहार पर यदुवंशी बाजे-गाजे के साथ मड़ई लेकर निकले और नाचते गाते हुए मातर मनाया। विधायक गजेन्द्र यादव ने कहा की समृद्ध संस्कृति से परिपूर्ण हमारे छत्तीसगढ़ राज्य में मातर त्योहार का अपना-अलग महत्व है। मातर त्योहार मातृ शक्ति के उपासना का पर्व है। माता की शक्ति को जगाना, उसकी महत्ता को स्वीकारना और सम्मान देना। छत्तीसगढ़ की प्राचीन परम्परा का यह पर्व सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है। उन्होंने मातर मनाने बड़ी संख्या में दईहान पहुंचे नागरिकों का अभिवादन किया।

- मातर पर जगह-जगह निकली शोभायात्रा, यादवों ने निभाई परंपराएं

मातर त्यौहार मनाने विधायक गजेन्द्र यादव रविवार को दईहान पहुंचे, जहां यदुवंशियों के साथ गोमाता की पूजा अर्चना कर गाय को सोहाई बांधकर डांड़ खेलाने की अपनी सामाजिक परम्परा को निभाई। दईहान (गोठान) में यादव समुदाय के लोग पारंपरिक परिधान, बांहों में बांहकर, पेटी, कौड़ी से बने साजू, रंगबिरंगी पगड़ी, हाथों में फुलेता और पांव में घुंघरू पहन कर नाच रहे यादव समाज के साथ विधायक गजेन्द्र यादव भी हाथों में फुलेता लिए और दोहा लगाते हुए उनके साथ थिरके भी। इस दौरान उन्होंने अपनी संस्कृति परम्परा से जुड़े रहने और उमंग उल्लास के साथ त्योहार मनाने की अपील भी की।

दीपावली पर पुलिस अफसर पहुंचे शहीद परिवारों के घर

भिलाई। छत्तीसगढ़ पुलिस एवं छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के कुल-38 शहीद अधिकारी और कर्मचारियों के घर पुलिस के अफसर पहुंचे। उन्हें दीपावली की बधाई दी। बता दें कि ये सभी दिवंगत कर्तव्य की वेदी पर अपनी जान की बाजी लगाकर शहीद हुए। पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला, एएसपी सुखनंदन राठौर, वेदव्रत सिरमौर, अभिषेक झा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पद्मश्री तवंर, ऋचा मिश्रा, चिराग जैन, सत्यप्रकाश तिवारी, हरीश पाटिल, हेमप्रकाश नायक सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला ने बताया कि शहीद परिवार के साथ पुलिस विभाग सदैव साथ खड़ा है। हम उनके सुख-दुख में शामिल हैं। इसी क्रम में दीपावली पर्व के अवसर पर सौजन्य भेंट कर शुभकामना दी गई। शहीद परिवार पुलिस के आला अफसरों को अपने बीच पाकर प्रफुल्लित हुए।

फरवरी 1984 में दिलीप कुमार अभिनीत फिल्म मशाल से हुई थी टॉकीज की शुरुआत

कोरोनाकाल के बाद फिर शुरू होगा मौर्या सिनेमाघर जल्द ही मौर्या-चंद्रा के साथ जुड़ जाएगी एक और स्क्रीन

कार्नर न्यूज

भिलाई। कोरोनाकाल में स्थाई तौर पर बंद कर दी गई शहर की मौर्या टॉकीज में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के दिन से फिर एक बार फिल्म प्रदर्शन शुरू हो गया करीब 5 साल स्थाई तौर पर बंद रहने के बाद अब नए संचालकों ने नई साज-सज्जा और अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ इस टॉकीज को शुरू किया है। उल्लेखनीय है कि बीते दशक में मौर्या टॉकीज को मरम्मत के लिए अस्थाई तौर पर बंद किया गया था इसके बाद कुछ महीनों यहां फिल्मों का प्रदर्शन और जादूगर का शो चला भी लेकिन कोरोनाकाल में लगातार घाटे का हवाला देते हुए नोटिस भी चस्पा कर 30 मई 2000 से संचालक ने मौर्या व चंद्रा दोनों टॉकीज को स्थाई रूप से बंद कर दिया था, लेकिन बाद के दौर में सिनेमा व्यवसाय से जुड़े रायपुर के उत्साही युवाओं राकेश मिश्रा, लकी रंगशाही और राज वर्मा ने इस जुड़वा थियेटर को चलाने का फैसला लिया। इसके बाद टॉकीज के मालिकान बीएसबीके प्रबंधन ने इसके संचालन का दायित्व लीज पर इन युवाओं के बनाएं कंसोर्टियम आरएलआर को दिया।

मौर्या में छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी स्क्रीन

युवाओं ने पहले छत्तीसगढ़ सिनेमा के प्रदर्शन के लिए 730 दर्शक क्षमता और नई साज-सज्जा के साथ चंद्रा सिनेमा को 5 मई 2023 से शुरू किया। वहीं मौर्या टॉकीज में कुछ मूलभूत बदलाव किए गए। 428 दर्शक क्षमता के साथ मौर्या में अब छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा स्क्रीन लगाया गया है। वहीं मौर्या टॉकीज की बालकनी को बंद कर दिया गया है। इस बालकनी की जगह पर जल्द ही 170 रीक्लिनर चेयर की व्यवस्था के साथ पूरी तरह एयर कंडीशंड एक औऱ ऑडी चालू करने की संचालकों की तैयारी है।

टॉकीज की 1984 में हुई थी शुरुआत

उल्लेखनीय है कि समूचे मध्यभारत के ट्विन सिनेमा के तौर पर मौर्या-चंद्रा टॉकीजों की एक साथ शुरूआत फरवरी 1984 में दिलीप कुमार अभिनीत फिल्म 'मशाल' से की गई थी। तब से यहां एक से बढ़कर एक सुपरहिट फिल्में लगी। डिस्ट्रीब्यूटर की पहली पसंद मौर्या-चंद्रा के स्क्रीन हुआ करते थे। यहां शुरूआती दौर से घर एक मंदिर, तोहफा, नाचे मयूरी, मर्द, शहंशाह, संजोग, मिस्टर इंडिया, नगीना, तेजाब, मैनें प्यार किया, अनाड़ी,लगान, राजा हिंदुस्तानी, दिल तो पागल है, कुछ कुछ होता है, मोहब्बतें,जुरासिक पार्क, मोर छइयां भुईयां, झन भूलो मां-बाप ला,बाहुबली और हंस झन पगली जैसी फिल्मों ने खूब धूम मचाई।

90 के दशक में दूर-दराज से भी लोग फिल्म देखने पहुंचे थे

किसी जमाने में समूचे मध्यभारत के सिने प्रेमियों के लिए मौर्या-चंद्रा में फिल्म देखना स्टेटस सिंबल हुआ करता था। लोग दूर-दूर से सिर्फ चंद्रा-मौर्या में फिल्म देखने के नाम से भिलाई आते थे। अब संचालक वही पुराने दिन लौटने की उम्मीद कर रहे हैं। एक समय था, जब लोग दूर-दराज से इस टाकीज में फिल्म देखने के लिए पहुंचा करते थे। बालोद, बेमेतरा, राजनांदगांव से लेकर डौंडी और कवर्धा से भी लोग फिल्म देखने आया करते थे। अपने समय की सबसे फेमस टॉकीज समय के साथ विलुप्त होने लगी, जिसे फिर से सहेजने और संवारने का काम किया गया है।

सिटी इवेंट

बहू, बेटी और पत्नी को महालक्ष्मी मानकर पूजा

भिलाई। देवांगन परिवार ने नारी सम्मान की दिशा में नई पहल करते हुए एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने घर की बहू को लक्ष्मी, बेटी को वैभव लक्ष्मी और पत्नी को महालक्ष्मी मानकर दिवाली में उनकी पूजा कर सम्मान बढ़ाया है। साथ ही परिवार के लोगों ने जरूरतमंद बच्चों को मिठाई और पटाखे बांटकर उनकी दिवाली भी खुशहाल बनाया। पटाखे पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। समाज में नारी के महत्व को प्रतिपादित करने के उद्देश्य से देवांगन जन कल्याण समिति भिलाई नगर के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन ने दिवाली की रात में अपने घर पर पारंपरिक लक्ष्मी पूजन के पश्चात अपनी बहू, बेटी और पत्नी को सम्मान पूर्वक बैठाया और परिवार के सभी सदस्यों के सामने उनका आरती कर सम्मान किया। उन्होंने अपनी पुत्रवधु को लक्ष्मी, बेटी को वैभवलक्ष्मी एवं पत्नी को महालक्ष्मी की संज्ञा देते हुए उनपर अक्षत पुष्प की वर्षा कर उनका सम्मान किया। साथ ही उन्होंने अपने दोनों पुत्रों तथा पोता को कुबेर की संज्ञा देते हुए उनका भी सम्मान किया।

■ **नई पहल : देवांगन परिवार ने की शुरुआत, कहा- इससे महिलाओं का बढ़ेगा सम्मान**

महेश चंद्र शर्मा ने कहा- शास्त्रों में महिलाओं को देवी की संज्ञा

इस अवसर पर आचार्य डॉ. महेश चंद्र शर्मा ने कहा कि शास्त्रों में महिलाओं को देवी की संज्ञा दी गई है। समाज में इस तरह की अनूठी पहल के लिए छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मेघनाथ यादव ने देवांगन परिवार के इस कार्य की सराहना करते हुए इसे अनुकरणीय कदम बताया है। वरिष्ठ नागरिक महासंघ के अध्यक्ष पुरुषोत्तम साहू एवं महासचिव गजानंद साहू ने भी इसे नारी की प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला कदम बताते हुए कहा कि इससे महिलाओं का सम्मान हमेशा बना रहेगा। इस अवसर देवांगन ने स्व. तुलाराम देवांगन स्मृति पर बालक छात्रवृत्ति एवं उर्मिला देवांगन स्मृति में बालिका छात्रवृत्ति देने की शुरुआत कर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। जरूरतमंद बच्चों को मिठाई और पटाखे बांटकर उनकी दिवाली भी खुशहाल बनाई।

समाज इवेंट

सरयू प्रवाह स्मारिका का विमोचन सांसद बृजमोहन हुए शामिल

भिलाई। आचार्य सरयूकांत झा जन्म शताब्दी समारोह का आयोजन पिछले दिनों रायपुर में किया गया। आयोजन में सरयू प्रवाह सम्मारिक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल प्रमुख रूप से शामिल हुए। दुर्ग के आचार्य डॉ. महेश चंद्र शर्मा ने कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि सरयूकांत झा शिष्यों के संवर्धक रहे, उन्होंने कहा कि वे हमेश शिष्यों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते रहे। कार्यक्रम में बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि आचार्य सरयूकान्त झा का स्नेह और आशीर्वाद मुझे भी मिलता रहा। उनसे मेरी निकटता थी। उनके लिए मुझसे जो आशा की गई उसे मैं अवश्य पूरा करूंगा। प्रो. बालचन्द कछवाह, आचार्य डॉ. महेशचन्द्र शर्मा, भाषाविद् डॉ. चित्तरंजन कर, इतिहासविद् डॉ. रमेन्द्रनाथ मिश्र एवं पं. नर्मदा प्रसाद मिश्र 'नरम' कार्यक्रम में मंचस्थ थे। मंचस्थ अतिथियों ने सरयू प्रवाह स्मारिका का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर झा परिवार की बहन- बेटियों ने सुमधुर सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की। मंचस्थ अतिथियों के साथ विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले भी सम्मानित किए गए।

■ **आचार्य डॉ. महेश चंद्र शर्मा ने कहा- सरयूकांत झा शिष्यों के संवर्धक रहे**

शिक्षा नीति, संस्कृति व वर्तमान संदर्भ पर परिचर्चा

आचार्य सरयूकान्त झा स्मृति संस्थान के सचिव पं. शारदेन्दु झा और कवयित्री अनीता झा की टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाया। आचार्य पं. सरयूकान्त झा के विचारों के अनुरूप शिक्षा नीति, संस्कृति और वर्तमान सन्दर्भ विषय पर पैनल डिस्कशन में डॉ.माणिक विश्वकर्मा, डॉ. चित्तरंजन कर, संजीव ठाकुर एवं डॉ.महेन्द्र ठाकुर ने अपने विचार रखे। अन्त में आचार्य डॉ. महेशचन्द्र शर्मा ने समीक्षा कर सार संक्षेप रखते हुए कहा कि संस्कार के बिना शिक्षा शव के समान है। नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परम्परा और संस्कृति की महत्ता को रेखांकित किया गया है। शुभा झा बैनर्जी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

एसआई और सूबेदार के 341 पदों में होगी भर्ती, आवेदन 11 नवंबर तक

भिलाई। छत्तीसगढ़ पुलिस में एसआई भर्ती 2018 के नतीजे जारी हो चुके हैं। अब एसआई भर्ती 2024 के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। 11 नवंबर तक आवेदन किए जा सकते हैं। एसआई, प्लाटून लाटून कमांडर, सूबेदार समेत अन्य के 341 पदों पर भर्ती होगी। इसके लिए सीजीपीएससी से आवेदन मंगाए गए हैं। यह पहली बार है, जब इनकी भर्ती पीएससी से होगी। कुल 341 में 278 पद एसआई के पद हैं। आवेदन की प्रक्रिया निर्धारित की चुकी है। इसमें अभ्यर्थियों की ऊंचाई देखी जाएगी। मापदंड के अनुसार पुरुषों की हाईट 168 सेमी और महिला की 153 सेमी होनी चाहिए। सीना बिना फुलाये 81 सेमी और फुलाने पर 86 सेमी होना चाहिए। इसी दौरान दस्तावेजों की जांच भी होगी। इसके बाद पीएससी से प्रारंभिक लिखित परीक्षा होगी। यह 300 अंकों की होगी। इसके रिजल्ट के आधार पर मुख्य परीक्षा के लिए उम्मीदवारों का चयन होगा। यह परीक्षा भी पीएससी से होगी। फिर शारीरिक दक्षता परीक्षा होगी।

● 7 और 8 नवंबर को दुर्ग और भिलाई के प्रमुख तालाबों में होगा आयोजन

छठ पूजन की तैयारी हुई शुरू, तालाबों में हो रही सफाई, डूबते व उगते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा

भिलाई। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि 7 नवंबर को देर रात 12:41 बजे शुरू होगी। यह 8 नवंबर को देर रात 12:34 बजे समाप्त होगी। ऐसे में 7 नवंबर को संध्याकाल का अर्घ्य दिया जाएगा। इसके अगले दिन यानी 08 नवंबर को सुबह का अर्घ्य दिया जाएगा। दुर्ग और भिलाई में उत्तर प्रदेश, बिहार के लोग बड़ी संख्या में निवासरत हैं। इस वजह से यहां भी हर वर्ष छठ पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। दिवाली के जाते ही छठ पर्व को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। शहर के सभी प्रमुख तालाबों की साफ-सफाई के निर्देश दुर्ग और भिलाई निगम के आयुक्तों ने दिए हैं। इधर यूपी और बिहार की महिलाओं ने छठी मइया के पूजन के इस पर्व को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रतिवर्ष इस उत्सव का विशेष महत्व भिलाई शहर में देखने को मिलता है। छठ पूजा को देखते हुए तालाबों की साफ-सफाई के अलावा लाइटिंग की व्यवस्था भी की जा रही है। लोगों ने तालाब घाट पर वेदी भी तैयार करना शुरू कर दिया है। गुरुवार को डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। वहीं शुक्रवार को उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। छठ पूजन को लेकर महिलाएं बताती हैं कि छठ मइया की पूजा हर साल कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को होती है। चतुर्थी तिथि को नहाय-खाय के साथ छठ पूजा की शुरुआत होती है। नहाय खाय के अगले दिन खरना की पूजा होती है। इसके बाद से ही 36 घंटे का कठिन व्रत शुरू हो जाता है। छठ का पहला अर्घ्य षष्ठी तिथि को दिया जाता है। यह अर्घ्य डूबते हुए सूर्य को दिया जाता है।

सेक्टर-2 व लक्ष्मण तालाब में विशेष आयोजन

हर बार की तरह इस बार भी भिलाई के टाउनशिप में अलग-अलग तालाबों में आयोजन की तैयारी की जा रही है। मुख्य रूप से सेक्टर-2 तालाब में छठ पूजन की तैयारी है। इसके अलावा सेक्टर-7 में भी तैयारी की जा रही है। कैम्प क्षेत्र में लक्ष्मण नगर और बैकुंठधाम तालाब में पूजन की तैयारी की गई है। कुरुद के नकटा तालाब में भी प्रतिवर्ष पूजन किया जाता है। इस तालाब के आसपास अब तक सफाई नहीं कराई गई है। शहर के तालाबों में छठ को लेकर चहल-पहल शुरू हो गई है। शहर के 12 से ज्यादा तालाबों में छठ पर्व की धूम रहेगी। यहां यूपी और बिहार के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के लोग भी मिलकर छठ मनाएंगे।

अगले 5 दिन वेटलिंग लिस्ट लंबी

छठ पूजन को लेकर ट्रेनों में भीड़ बढ़ गई है। अगले पांच दिन यूपी और बिहार की ओर जाने वाली सभी प्रमुख ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट खासी लंबी है। इसके अलावा झारखंड और बंगाल की ट्रेनों में भी भीड़ बढ़ गई है। छठ पूजन को लेकर लोग अपने-अपने घर का रुख कर रहे हैं। भिलाई से भी 30 प्रतिशत से ज्यादा लोग यूपी और बिहार के लिए रवाना हो रहे हैं। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि 4 और 5 नवंबर को ट्रेनों में ज्यादा भीड़ है। हालत यह है कि कुछ ट्रेनों में नो रूम के हालात बन रहे हैं। अतिरिक्त कोच लगाने पर भी विचार किया जा रहा है। ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न उठानी पड़े।

दीपक व सिंधिया नगर तालाब में तैयारी

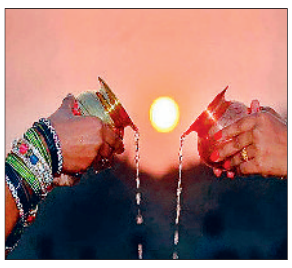

दुर्ग में दीपक नगर, सिंधिया नगर, ठगड़ा बांध तालाब में छठ पूजन को लेकर तैयारी की जा रही है। आयुक्त के निर्देश के बाद तालाबों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने कहा गया है। इधर बेदी तैयार किए जाने का काम फिलहाल शुरू नहीं किया गया है। लोगों ने बताया कि सोमवार यानी 4 नवंबर से वे इसकी शुरुआत करेंगे। चार दिनों तक चलने वाले इस त्योहार को लेकर लोगों में खासा उत्साह है। बाजारों में पूजन-सामग्री बिकने के लिए भी आ चुकी हैं। पारंपरिक परिधान, सामग्री और गन्ना की बिक्री शुरू हो चुकी है। मुख्य रूप से साप्ताहिक बाजारों में ये सामग्री बिकने के लिए पहुंच रही है। छठ पूजन को लेकर ट्रेनों में बढ़ी

आयोजन

राउत बाजा और दोहा पाठ पर थिरके यादव गोमाता को सोहाई बांधकर खिचड़ी खिलाई

दुर्ग। छत्तीसगढ़ कोसरिया अहीर यादव सेवा समाज के तत्वावधान में गोवर्धन पूजा महोत्सव का आयोजन आमदी वार्ड-24 दीपक नगर में किया गया। इस अवसर पर राउत बाजा की धून में यादवों द्वारा पारंपरिक दोहे का पाठ किया गया। घूम-घूमकर पैरों में बंधे घुंघरू की छम-छम के साथ नृत्य किया। साथ ही गोमाता को कोहड़ा, कोचई, पूड़ी, बरा, मेवा, मिष्ठान और ऋतु फल खिलाकर विधि विधान से पूजा-अर्चना की गई। यादवों द्वारा गौमाता को सोहाई बांधकर आर्शीवाद लिया गया।

इस अवसर पर गहिरा गुरु राजेश यादव ने कहा कि यादव श्रेष्ठ जगतगुरु भगवान कृष्ण का गोवर्धन पर्वत को धारण करना हम सभी को शिक्षा प्रदान करता है। उन्होंने ही हमें सिखाया कि संगठन में शक्ति होती है। संगठित समाज सभी क्षेत्रों में यश, गौरव व सम्मान पाता है। द्वापरयुग में भगवान कृष्ण का गोवर्धन पर्वत को उठाया, इसके बाद गोवर्धन पर्वत भी पूजे जाने लगे। उन्होंने वर्तमान समय में समाज को कसी हुई मुठ्ठी की तरह एकजुट रहने की नसीहत दी।

बच्चों को संस्कारवान बनाना जरूरी, सभी करें प्रयास

गहिरा गुरु ने कहा कि बच्चों को संस्कारवान बनाना आवश्यक है। इसके लिए हर बड़े-बुजुर्ग को प्रयास करने की जररुरत है। बच्चों को अपनी कला, संस्कृति, परंपराओं की जानकारी दें। उन्हें हर सामाजिक और धार्मिक आयोजनों में शामिल करें। ताकि ये बच्चे हमारी संस्कृति को समझ सकें। आयोजित कार्यक्रम में समाज के संरक्षक प्राण यादव, केदार यादव, किशुन लाल, प्रदेश अध्यक्ष हर्ष यादव, उमराव यादव, वरिष्ठ समाजसेवी ललित अग्रवाल, पार्षद नरेश तेजवानी, कमलेश यादव, ब्रजेश यादव, राजकुमार यादव मौजूद थे।

दिवाली मिलन समारोह

स्कूल के पुराने दोस्तों ने अनाथ बच्चों के साथ बांटी दिवाली की खुशियां

दुर्ग। श्रीदेव आनंद जैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजनांदगांव के विद्यार्थियों ने खुला आश्रय पद्मनाभपुर और मातृछाया बोरसी में अनाथ बच्चों के साथ दिवाली की खुशियां बांटी। 1999 बैच के ये दोस्त दिवाली के उपलक्ष्य में साथ आए। उन्होंने बिलासपुर सेवा भारती समाजिक संस्था द्वारा चलाये जा रहे अनाथाश्रम खुला आश्रय और मातृछाया बोरसी में पहुंचकर अनाथ बच्चों के साथ समय बिताया। वर्तमान में ये सभी दोस्त अलग-अलग शहरों में कार्य करते हैं। इनमें से कई मल्टीनेशनल सॉफ्टवेयर कंपनी में हैं, तो कोई एनटीपीसी में बड़े पद पर कार्यरत हैं। कोई एलआईसी में अच्छे पद पर हैं, तो कुछ मंत्रालय एवं अन्य जगहों पर सरकारी पदों पर कार्यरत है। कुछ शिक्षक और कुछ उद्यमी भी हैं। इन्ही दोस्तों में से एक एंजेल वैली स्कूल के संचालक इंजीनियर युगल किशोर ने बताया कि सभी दोस्त दिवाली के समय हर साल आपस में मिलते हैं। इस बार सभी ने दिवाली सार्थक रूप से मनाने का निर्णय लिया।

बच्चों के साथ समय बिताया, नए कपड़े और मिठाइयां बांटी

इन दोस्तों ने अनाथाश्रम में रह रहे सभी बच्चों के लिए नए कपड़े, लगभग एक महीने का राशन (चावल, दाल, आटा, शक्कर, पोहा आदि), बिस्किट, शेरेलक, मिठाइयां भेंट की। सभी दोस्तों ने सभी बच्चों के स्वस्थ एवं उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए दीपावली की शुभकामनाएं दी। साथ ही बिलासपुर सेवा भारती के सभी सदस्यों को इस पुण्य कार्य में सहयोग देने के लिए धन्यवाद दिया। इस पुण्य कार्य के लिए अंजना साहू, भूपेश-निधि गुप्ता, समर्थ सिंह चौहान, पुष्कर-अनुराधा ढोक, युगल, आयुष, प्रखर, आर्यन सहित अन्य का योगदान रहा।

खुला आश्रय पद्मनाभपुर और मातृछाया बोरसी में आयोजन

आचार्य नरेंद्र देव और सरदार पटेल की जयंती, इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर परिचर्चा

नरेंद्र देव ने अंतिम तबके तक सोचा, सरदार पटेल ने देश को जोड़ा और इंदिरा ने देश हित में साहसिक कदम उठाए

कार्नर न्यूज

भिलाई। आचार्य नरेंद्र देव स्मृति जन अधिकार अभियान समिति एवं जयप्रकाश नारायण स्मारक प्रतिष्ठान की ओर से भारतीय लोकतंत्र के सेनानियों पर केंद्रित विशेष परिचर्चा का आयोजन किया गया। यह आयोजन समाजवाद के प्रमुख स्तंभ आचार्य नरेंद्र देव और देश के प्रथम गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती तथा देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित किया गया। आयोजन की शुरुआत में आचार्य नरेंद्र देव, सरदार वल्लभभाई पटेल और इंदिरा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए देश के प्रति उनके योगदान को विशेष रूप से याद किया गया। आयोजक रमेश प्रसाद शर्मा ने कहा कि आज याद की जा रही तीनों विभूतियों ने देश में लोकतंत्र को पुष्पित-पल्लवित करने में अपना अहम योगदान दिया।

नरेंद्र देव ने समाजवाद की राह को एक नई दिशा दी

एचएमएस के महासचिव प्रमोद कुमार मिश्रा ने कहा कि महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के बाद आचार्य नरेंद्र देव ने समाजवाद की राह पर चलते हुए देश को एक नई दिशा दी। आज आचार्य नरेंद्र देव के विचार और ज्यादा प्रासंगिक हो गए हैं। इसी तरह सरदार वल्लभ भाई पटेल और इंदिरा गांधी का योगदान भी कभी भुलाया नहीं जा सकता। आयोजन में मुख्य रूप से अरविंद कुमार, कपिल देव प्रसाद, जयराम पासी, मिश्री राम रजकर और श्यामलाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर सभी वक्ताओं ने तीनों विभूतियों के जीवन पर प्रकाश डाला। उनके द्वारा किए गए कार्यों को सामने रखा। साथ ही यह भी बताने का प्रयास किया कि ये तीनों विभूतियां आज महान क्यों हैं। उन्होंने कहा कि दो-दो यूनिवर्सिटी के बारी-बारी से कुलपति रहे आचार्य नरेंद्र देव ने समाज के अंतिम तबके के लोगों के बारे में सोचा। देश को एक नई दिशा दी। उन्होंने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि देश के प्रथम गृहमंत्री के जन्मदिन पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह सरकारी स्तर पर आयोजित किया जाता है। इंदिरा गांधी के बलिदान का स्मरण करते हुए शर्मा ने कहा कि एक साहसी महिला का देश के प्रति योगदान भुलाया नहीं जा सकता।

आजादी के लिए हम सभी ने अंग्रेजों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ा

वरिष्ठ अधिवक्ता जमील अहमद ने कहा कि अंग्रेजी शासन काल में जिस तरह देश ने एकजुटता के साथ आजादी की लड़ाई लड़ी। अब वक्त आ गया है कि हम सब वैसे ही एकजुटता के साथ समाज में व्याप्त बुराइयों को खत्म करने आगे आएं। उन्होंने समाजवादी विचारधारा के प्रसार में आचार्य नरेंद्र देव के योगदान, राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में सरदार पटेल और सुदृढ़ व सक्षम भारत के निर्माण में इंदिरा गांधी के योगदान का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हम सभी ने मिलकर एकजुट होकर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ा, तब हमें आजादी मिली। आजादी का मूल्य भले ही आज हम उतने बेहतर तरीके से न समझ पा रहे हैं, लेकिन हमारे पूर्वजों और उस समय के लोगों ने अंग्रेजों के जूल्मों को देखा और सहा है। इस बात को हमें हमेशा याद रखना चाहिए।

लैपटॉप पर काम करते वक्त होता है सिरदर्द और आंखों में जलन? करें ये एक्सरसाइज

लैपटॉप या कंप्यूटर पर लंबे वक्त तक काम करते रहने से कई बार आंखों में भारीपन, दर्द, जलन और सिर में दर्द महसूस होता है। एक्सपर्ट की बताई ये 2 एक्सरसाइज इन सभी चीजों को कम करने में मदद कर सकती हैं। दिनभर लैपटॉप या कम्प्यूटर पर काम करने के बाद, अक्सर शाम के वक्त हमें सिरदर्द, आंखों में जलन, भारीपन या दर्द महसूस होता है। ऐसे में आंखों की सही देखभाल करना बहुत जरूरी हो जाता है।

दरअसल, आंखों पर पड़ने वाले दबाव की वजह से ऐसा होता है। अगर आप वर्किंग हैं, तो जाहिर सी बात है आपके 8-9 घंटे कम्प्यूटर स्क्रीन के आगे ही गुजरते होंगे। इस वजह से आंखों पर काफी स्ट्रेन पड़ता है। एक्सपर्ट का कहना है कि लैपटॉप पर काम करते वक्त, बीच-बीच में कुछ देर किसी और चीज की तरफ देखें। अगर आपकी वर्क डेस्क के पास

कोई विंडो है, तो उसके बाहर देखें। लगातार आंखों को लैपटॉप पर न टिकाएं। इससे नुकसान हो सकता है। इसके अलावा, आंखों की कुछ एक्सरसाइज भी आपको जरूर करनी चाहिए। इस बारे में योगा एक्सपर्ट दिलराजप्रीत कौर जानकारी दे रही हैं। एक्सरसाइज 1

सबसे पहले अपनी तर्जनी और मध्यमा उंगली को आंखों के दोनों तरफ रखें। आपको दोनों आंखों की उंगलियों को दोनों आंखों पर इसी तरह रखना है। इसके बाद, आंखों को खोलें और बंद करें। ऐसा आपको 10-15 बार करना है। इससे आंखों की थकान दूर होगी और आराम मिलेगा।

एक्सरसाइज 2

आंखों को सीधा रखें। अब आंखों को ऊपर की ओर और सीलिंग को देखें। इसके बाद आंखों को नीचे की तरफ करें और सामने देखें। ऐसा आपको 10-20 बार करना है। इससे आंखों की थकान और सिरदर्द दूर होगा। इसके साथ ही, अपने माथे पर दोनों आंखों के बीच में एक उंगली रखें। इसे क्लॉकवाइज और एंटी-क्लॉकवाइज डायरेक्शन में घुमाएं। ऐसा कम से कम 10 बार करें। इससे सिरदर्द और प्रेशर कम होगा।

इन टिप्स को भी करें फॉलो

स्क्रीन की ब्राइटनेस और टेक्स्ट साइज को ऐसा रखें जिससे आपकी आंखों पर ज्यादा जोर न पड़े। हर घंटे 5-10 मिनट खुद को ब्रेक दें। आंखों को बंद करें और बॉडी को स्ट्रेच करें। अगर आप बहुत अधिक वक्त तक स्क्रीन पर काम कर रहे हैं, तो ब्लू लाइट फिल्टर्स या ग्लासेज का इस्तेमाल करें।

सिरदर्द, आंखों की जलन, स्ट्रेन और दर्द से छुटकारा पाने के लिए, आप एक्सपर्ट की बताई इन 2 एक्सरसाइज को रूटीन में शामिल कर सकते हैं। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है, तो हमें आर्टिकल के ऊपर दिए गए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने आर्टिकल्स के जरिए आपकी समस्या को हल करने की कोशिश करेंगे।

पेट का बढ़ता घेरा चेतावनी है आपके स्वास्थ्य को लेकर , चिकित्सक से जरूर लें परामर्श

बढ़ती तोंद इशारा है आप गंभीर समस्याओं के शिकार हो रहे, तुरंत अपनाएं सावधानी

पेट पर बढ़ती चर्बी बहुत आम समस्या है, युवा हों या वयस्क सभी इसका शिकार देखे जा रहे हैं। यह समस्या जरूर आम है लेकिन इसे हल्के में लेने की भूल न करें, अध्ययनों में बढ़े हुए वजन विशेषतौर पर पेट पर जमा चर्बी (बेली फैट) को कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए जिम्मेदार माना गया है। अगर समय रहते इसे कंट्रोल करने के लिए जरूरी उपाय न किए जाएं तो भविष्य में कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों का खतरा भी हो सकता है।

पेट पर चर्बी किन कारणों से बढ़ रही है इसे समझना भी बहुत जरूरी हो जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, खराब खान-पान, व्यायाम की कमी और तनाव जैसी स्थितियां मोटापा और बेली फैट का कारण बन सकती हैं। इसके अलावा डॉक्टर इसे कुछ अंतर्निहित और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के संकेत के तौर पर भी देखते हैं। क्या आप भी तोंद निकलने यानी बेली फैट की समस्या से परेशान हैं? आइए जानते हैं कि यह समस्या किन कारणों से हो सकती है?

बेली फैट बढ़ने की समस्या

अधिक वजन या पेट पर जमा अतिरिक्त चर्बी से छुटकारा पाना कई लोगों के लिए महत्वपूर्ण लक्ष्य हो सकता है। आप आहार में सुधार और व्यायाम जैसे उपायों की मदद से इसमें लाभ भी पा सकते हैं, पर इस समस्या के पीछे क्या कारण है इसे समझना भी जरूरी है। कुछ मामलों में शरीर में बढ़ रही किसी गंभीर बीमारी के कारण भी आपका पेट बढ़ने लग सकता है। ऐसे में समय रहते समस्या का सही पहचान करना और इसका निवारण जरूरी हो जाता है।

कहीं आप पूरे दिन बैठे तो नहीं रहते?

गतिहीन जीवनशैली का स्वास्थ्य पर कई तरह से नकारात्मक असर होता है, यह मोटापा और बेली फैट बढ़ाने के लिए भी जिम्मेदार मानी जाती है। पूरे दिन या लंबे समय तक बैठे रहना जैसे, टीवी देखना, ऑफिस में काम करना या अक्सर लंबी यात्राएं करना भी बेली फैट के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। लंबे समय तक बैठे रहने से न सिर्फ मोटापा बल्कि डायबिटीज और हार्ट की समस्याओं का भी खतरा बढ़ जाता है।

तनाव तो नहीं लेते हैं आप?

तनाव की स्थिति मानसिक स्वास्थ्य की समस्या है, पर क्या आप जानते हैं कि इसका शरीर की सेहत विशेषतौर पर वजन पर भी असर हो सकता है? असल में तनाव की स्थिति में शरीर में कोर्टिसोल नामक एक स्टेरॉयड हार्मोन रिलीज होता है, ये तनाव को नियंत्रित करने के लिए जरूरी है। हालांकि अगर आप अक्सर तनावग्रस्त रहते हैं तो कोर्टिसोल के दुष्प्रभावों के कारण वजन या बेली फैट बढ़ने का खतरा रहता है।

नींद पूरी न होने का समस्या

शोध से पता चलता है कि जिन लोगों को कम नींद आती है या अनिद्रा जैसी समस्या होती है उनके शरीर में फैट बढ़ने का जोखिम अधिक देखा जाता है। नींद कम आने से भूख पर भी असर होता है, आप ज्यादा खाते हैं जिससे वजन बढ़ सकता है।

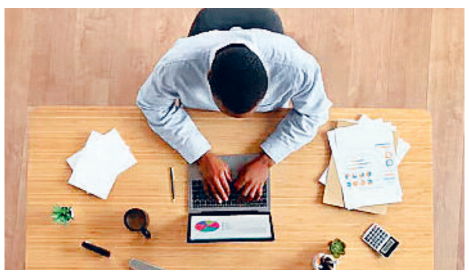

डाइट प्लान अपना कर इन ट्रिक्स से कम करें वजन

जब भी वेट लॉस की बात होती है तो लोग सबसे पहले अपनी डाइट पर काम करना शुरू करते हैं। वजन कम करने के लिए लोग तरह-तरह के डाइट प्लान फॉलो करने लगते हैं, जिससे उन्हें जल्द और अधिक इफेक्टिव रिजल्ट मिल सके। बहुत से लोग ऐसे भी होते हैं, जिनके लिए डाइट फॉलो करना संभव नहीं होता। ऐसे में वे डाइट शुरू करते हैं,लेकिन उसे बीच में ही छोड़ देते हैं। हो सकता है कि आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में हो तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है।

अगर आप चाहें तो बिना डाइट प्लान के भी अपना वजन कम कर सकती हैं। इसके लिए खुद को भूखा रहना व अपनी इच्छाओं को मारने की जरूरत नहीं है। बस आपकी अप्रोच सही होनी चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसी ही कुछ ट्रिक्स के बारे में बता रहे हैं, जिनकी मदद से आप बिना किसी डाइट प्लान को फॉलो किए भी अपना वजन आसानी से कम कर सकती हैं।

इन ट्रिक्स की मदद से कम कर सकती हैं वजन

खाने से पहले पीएं पानी: यह एक छोटी सी ट्रिक है, लेकिन इससे आपको पोर्शन कंट्रोल करने में काफी मदद मिलती है। जिससे वजन कम करना काफी आसान हो जाता है। हमेशा खाने से 30 मिनट पहले एक या दो गिलास पानी पीने की आदत डालें। इससे जब आप खाना खाने के लिए बैठते हैं तो आपको अपना पेट भरा हुआ महसूस हो सकता है। यह तरकीब आपको खाने के लिए बैठने पर ज़्यादा खाने से रोकती है क्योंकि आपका पेट पहले से ही कुछ हद तक भरा हुआ महसूस करता है।

खाते समय स्क्रीन करें बंद: कुछ लोग घर का बना खाना खाते हैं, लेकिन फिर भी उनका वजन बढ़ने लगता है, क्योंकि उन्हें खाने की मात्रा का ख्याल नहीं रहता है। इसका सबसे बड़ा कारण स्क्रीन है। जब आप स्क्रीन देखते हुए खाना खाते हैं तो आपको यह पता ही नहीं चलता है कि आपका पेट भर गया है। ऐसे में आप कुछ अधिक ही खा लेते हैं और इससे वजन कम नहीं हो पाता है। इसलिए खाना खाते समय स्क्रीन बंद रखें। वजन कम करने के लिए स्क्रीन टाइम घटाना जरूरी है।

खाने की लें महक: यह एक अजीब सी ट्रिक है, लेकिन इससे आपको वजन कम करने में मदद मिल सकती है। हमेशा खाना खाने से पहले उसकी महक लें। खाने की महक आपके दिमाग को यह सोचने के लिए प्रेरित कर सकती है कि आपने ज़्यादा खा लिया है। इससे फील-गुड हार्मोन रिलीज होते हैं, जिससे ज़्यादा खाने की इच्छा कम होती है।

डिनर के बाद दांत करें ब्रश: :रात को सोते समय दांत साफ करना एक अच्छी आदत है। इससे ना केवल आप ओरल हाइजीन का ख्याल रख पाते हैं, बल्कि आपको वजन कम करने में भी मदद मिलती है। दरअसल, एक बार जब आप अपने दांत साफ करते हैं तो इससे आपको देर रात स्नैकिंग करने की इच्छा कम होती है। तरह-तरह की फूड क्रेविंग कम होने से अपने कैलोरी काउंट पर बने रहना काफी आसान हो जाता है।

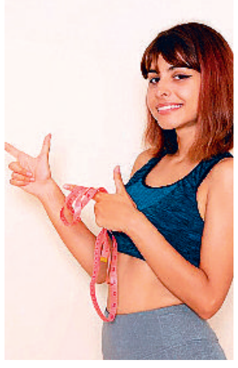

सपने में उल्लू को देखना हो सकता है इन चीजों का संकेत, जानें क्या होगा मतलब

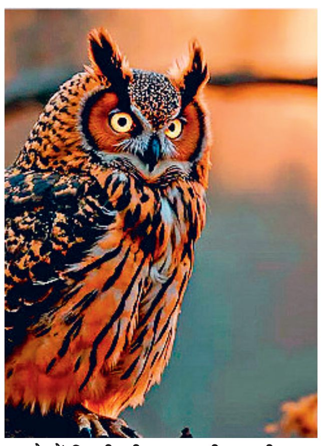

सपने में किसी भी पशु-पक्षी या जीव का दिखना आपके जीवन के लिए कई तरह के संकेत दे सकता है। अगर आप सपने में उल्लू देखती हैं तो समझें कि आपके भविष्य के लिए इसका कोई न कोई मतलब जरूर है। आइए जानें इस सपने के संकेतों के बारे में।

सपने में कई ऐसी चीजें दिखाई देती हैं जिनका संबंध आपके असल जीवन से भी होता है। सपने में हम ऐसी कई जीव-जंतु या लोगों को देखते हैं जो कहीं न कहीं भविष्य का संकेत देते हैं।

सपने कई तरह से गहरे आध्यात्मिक, मनोवैज्ञानिक और ज्योतिषीय अर्थ रखते हैं, जो हमारे अवचेतन मन में खिड़की के रूप में काम करते हैं। ऐसा ही एक शक्तिशाली प्रतीक माना जाता है उल्लू का सपना। उल्लू को उनकी रहस्यमय उपस्थिति के लिए सभी संस्कृतियों में अलग रूप में देखा जाता है।

ये अक्सर ज्ञान, अंतर्ज्ञान और छिपे हुए ज्ञान से जुड़े हुए भी हो सकते हैं। ज्योतिष के अनुसार सपने में उल्लू को देखना महत्वपूर्ण संदेश हो सकता है जो भविष्य के बारे में आंतरिक सत्य, चेतावनियां या अंतर्दृष्टि प्रकट कर सकता है। आइए उल्लू के सपनों के पीछे के अर्थ और उनके ज्योतिष महत्व के बारे में ज्योतिर्विद पंडित रमेश भोजराज द्विवेदी से जानें।

ज्योतिष और आध्यात्मिक मान्यताओं में उल्लू का महत्व: उल्लू रात्रिचर पक्षी है जो चंद्रमा, अंधेरे और रात से जुड़ा होता है। यह गुण उन्हें रहस्य, ज्ञान और छिपे हुए ज्ञान का प्रतीक बनाते हैं। ज्योतिष में, उल्लू गहरी अंतर्ज्ञान, आध्यात्मिक जागरूकता और छिपी सच्चाइयों को उजागर करने की क्षमता का प्रतीक माना जाता है। विभिन्न संस्कृतियों में उल्लुओं के अलग-अलग अर्थ हैं - कुछ उन्हें परिवर्तन के दूत के रूप में देखते हैं, जबकि अन्य उन्हें मृत्यु या परिवर्तन के रूप में देखते हैं।

यही नहीं कुछ जगह उल्लू माता लक्ष्मी की सवारी के रूप में भी देखा जाता है और इसकी पूजा की जाती है। इसी वजह से इसे छिपे हुए धन और समृद्धि का प्रतीक भी माना जाता है। जब आप उल्लू का सपना देखते हैं तो ये आपके जीवन में कई संकेत दे सकता है।

फ्रिज में रखे-रखे सख्त हो जाता है अनार, इन ट्रिक्स से उतारें छिलके

अगर अनार को कुछ दिन फ्रिज में रखा जाए, तो इसके छिलके सूखकर सख्त हो जाते हैं। ऐसे में उन्हें छिलना बहुत ही मुश्किल हो जाता है, ऐसे में अगर आप चाहते हैं कि इसके छिलके आसानी से उतर जाएं तो कुछ टिप्स अपना सकती हैं।

अनार को पानी में डुबोकर छीलें

अगर अनार का छिलका सख्त हो गया है, तो बेहतर होगा इसे आप पानी में डुबोकर छीलें। ऐसा करने से छिलका थोड़ा मुलायम हो जाएगा और बहुत ही आसानी से छिलका उतर भी जाएगा। इसके लिए सबसे पहले अनार को दो हिस्सों में काटें और एक बड़े बाउल में ठंडा पानी भरकर अनार के टुकड़े डालें।

अब पानी के अंदर ही अनार के दानों को धीरे-धीरे निकालें। पानी में छिलके ऊपर आ जाएंगे और दाने नीचे बैठ जाएंगे। इस तरीके से छिलके आसानी से अलग हो जाते हैं और अनार का रस भी बर्बाद नहीं होता।

अनार को माइक्रोवेव में हल्का गर्म करें

यह सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है। मगर ऐसा करना आपके लिए मददगार हो सकता है। वैसे ही गरमाहट चीजों को मुलायम करती है। ऐसे में अगर फ्रिज में रखने से अनार सख्त हो गया है, तो इसे हल्का गर्म करके छील सकते हैं।

अनार को माइक्रोवेव में 20-30 सेकंड के लिए गर्म करें। इससे छिलका नरम हो जाएगा और छिलकेउतारना आसान हो जाएगा। इसके बाद आप अनार को आधा काटकर दाने निकाल सकते हैं।

सिरके के पानी में डालना है बेहतर

अगर अनार जरूरत से ज्यादा सूख गया है और चाकू की मदद से भी नहीं कट रहा है, तो सिरका काम आ सकता है। इस टिप को अपनाने के लिए आपको जरूरत पड़ेगी एक बाउल, पानी और अनार की। इन चीजों को एक साथ मिलाएं और फिर अनार को 15 मिनट के लिए रख दें।

सिरके का असर छिलके को थोड़ा मुलायम बना देगा, जिससे आप इसे आसानी से उतार सकते हैं।

कार्नर न्यूज

रिश्तों में जान फूंकनी है तो उठाने होंगे कुछ जरूरी कदम

पार्टनर के साथ रिश्ते को मजबूत बनाना है तो अपनाएं 2-2-2 रूल, जिंदगी हो जाएगी खुशहाल

किसी भी रिश्ते की नींव प्यार और विश्वास पर टिकी होती है। लेकिन सिर्फ इतना ही काफी नहीं है। अक्सर आपने देखा होगा कि आप और आपका पार्टनर दोनों ही ईमानदार है, लेकिन एक वक्त के बात रिश्ता पुराना होने लगता है। दोनों के बीच का स्पार्क खत्म होने लगता है। कई बार इस वजह से भी ब्रेकअप हो जाता है,लोगों को लगता है कि अब बोरियत हो रही है। लोग जीवन में कुछ नयापन ढूंढने लगते हैं। आप समझ रहे होंगे हमारा इशारा किस तरफ है। खैर...आपके पार्टनर के साथ आपका रिश्ता इस फेज पर नहीं पहुंचेगा अगर आप 2-2-2 रूल को फॉलो कर लेंगे। आइए जानते हैं क्या है यह 2-2-2 रूल

क्या है यह 2-2-2 रूल?

2-2-2 रूल कोई रॉकेट साइंस नहीं है बल्कि बहुत ही सिंपल सा फार्मूला है। यह उन लोगों के लिए जो लंबे समय से रिलेशनशिप में हैं, जिनका शेड्यूल काफी टाइट है जो वर्किंग कपल हैं, वह इस यूनिक फॉर्मूले से अपने रिश्ते को नयापन दे सकते हैं।

रिश्ते को कैसे मजबूत करता है 2-2-2 रूल?

2 हफ्तों के अंदर एक डेट नाइट प्लान करना, यह आप या आपका पार्टनर कोई भी कर सकता है, जरूरी नहीं है हमेशा लड़कों से ही ऐसी उम्मीद लगाई जाए।

2 महीने के अंदर एक वीकेंड साथ में बिताना। ताकि आप अपने गले शिकवे को दूर कर सकें। क्वालिटी टाइम में अपने दिल की बात कह सकें, उन्हें बताएं कि आप उनके साथ लॉयल हैं, उनके साथ ही रहना चाहते हैं। 2 साल के अंदर -अंदर एक पूरा हफ्ता कहीं बाहर घूमने जाएं चाहे वह देश हो या विदेश हो.. यह रिश्ते में रंग भरने और एक दूसरे को और करीब लाने की कोशिश करेगा। काम के चलते जो गलतफहमियां हुई होंगी वो दूर हो होंगी। यह रूल सभी कपल्स पर लागू होता है लेकिन जो लोग लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में हैं उनके रिश्ते में जान भर देता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

फिर दर्शकों से होगी रूबरू जॉनसन की जंगली दुनिया 'जुमांजी 3'

हॉलीवुड के सुपरस्टार ड्वेन जॉनसन उर्फ द रॉक की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जुमांजी 3' की रिलीज को लेकर एक अहम जानकारी आई है, कि यह फिल्म कब और कहां रिलीज होगी। इस फिल्म की रिलीज की तारीख को लेकर प्रशंसकों का उत्साह फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ गया है। हॉलीवुड फिल्म 'जुमांजी 3' की रिलीज डेट सामने आ चुकी हैं, जिसने फिल्म को लेकर प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा दिया है। फिल्म में फिर से एक बार ड्वेन जॉनसन अपनी कॉमेडी और धमाकेदार एक्शन से लोगों का दिल जीतने आ रहे हैं। जानिए कब होगी फिल्म रिलीज। फिल्म में ड्वेन जॉनसन, करेन गिलन, केविन हार्ट और जैक ब्लैक जैसे सितारे वापसी करेंगे, जो एक और रोमांचक रोमांच का वादा करता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जुमांजी 3 में ड्वेन जॉनसन, केविन हार्ट, जैक ब्लैक और करेन गिलन एक साथ धमाल मचाते नजर आएंगे। यह फिल्म जुमांजी की तीसरी किस्त होगी। इस फ्रैंचाइजी में ड्वेन ₹द रॉक₹ जॉनसन, कैरेन गिलन, केविन हार्ट और जैक ब्लैक अपनी भूमिकाओं को फिर से दोहराते नजर आ सकते हैं। निर्देशक जेक कासडन, जिन्होंने पहले 2017 में ₹जुमांजी: वेलकम टू द जंगल₹ और 2019 में ₹जुमांजी: द नेक्स्ट लेवल₹ का निर्देशन किया था। वहीं इस बार भी फिल्म का निर्देशन करेंगे। इस बार फिल्म में कई चुनौतियां और रोमांचकारी कारनामों से भरे कई खतरनाक स्टंट दिखाए जाएंगे।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जुमांजी के जंगली रोमांच पर लौटने के लिए तैयार हो जाइए।

टॉलीवुड

'टॉक्सिक' में अहम किरदार निभाते नजर आएंगे यश, कहानी और शूटिंग पर भी आया अपडेट

साउथ सुपरस्टार यश इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म को लेकर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं, जो फिल्म में अभिनेता यश के किरदार से जुड़ी है। यह अब तक एक रहस्य है कि फिल्म में आखिरकार यश कैसा किरदार निभाने वाले हैं। वहीं, अब इसे लेकर कुछ दिलचस्प जानकारियां सामने आई हैं।

साउथ सुपरस्टार यश की अखिल भारतीय एक्शन ड्रामा फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' भारत में सबसे अधिक प्रतीक्षित परियोजनाओं में से एक है। भले ही फिल्म की शूटिंग अगस्त में शुरू हो गई थी, लेकिन अप्रत्याशित कानूनी मुद्दों ने अचानक झटका दिया और लंबे समय तक उत्पादन औपचारिकताओं को रोक दिया। इस बीच, टॉक्सिक में यश की भूमिका के बारे में नई चर्चा सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। जाहिर है, इस बिग बजट वाली मनोरंजक फिल्म में अभिनेता एक वकील की भूमिका में नजर आएंगे। हालांकि, इस अटकल फैंस को स्पष्टता तब मिलेगी, जब अगले साल की शुरुआत में फिल्म के प्रोमो सामने आएंगे। इस बारे में आधिकारिक एलान बाकी है। इससे पहले खबर आई थी कि सुपरस्टार यश और उनकी सह-कलाकार नयनतारा दिवाली के बाद अपनी आगामी फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' के लिए सेट पर लौटेंगे। गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित फिल्म का अगला शेड्यूल 6 नवंबर से मुंबई में शुरू होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस शेड्यूल के लिए फिल्म सिटी मुख्य स्थान होगा और मड आइलैंड में एक और सेट बनाया जाएगा। 'टॉक्सिक' की प्रोडक्शन टीम फिल्म सिटी में एक विशाल सेट का निर्माण कर रही है, जो 1970 के दशक को दर्शाएगा। यश और नयनतारा के अलावा कियारा आडवाणी और अक्षय ओबेरॉय भी टॉक्सिक के अगले शूटिंग शेड्यूल में शामिल होंगे।

भोजपुरी

आया खेसारी का छठ गीत, फैंस बोले- 'अब छठ पूजा पर यही गाना'

दिवाली के बाद अब छठ पूजा की तैयारियां शुरू हो गई हैं। महापर्व कहे जाने वाले इस पर्व में सूर्य देव की पूजा-आराधना की जाती है। पर्व से पहले भोजपुरी एक्टर खेसारी ने छठ गीत रिलीज किया है। खेसारी के इस गाने का नाम है 'बिहारी पिया'। यह गाना ग्लोबल म्यूजिक जंक्शन के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इस गाने को खेसारी लाल यादव ने गाया है। कोमल सिंह पर यह फिल्माया गया है। इस गाने के बोल विशाल भारती ने लिखे हैं। रिलीज के चंद घंटों के अंदर ही इस गाने को ढाई लाख से अधिक व्यूज मिल चुके हैं। इस गाने को बड़ी खूबसूरती से फिल्माया गया है। इसमें छठ पूजा की तैयारियों से लेकर पर्व की रौनक तक सबकुछ बड़ी खूबसूरती से दिखाया गया है। गाना रिलीज होने पर यूजर्स इस पर दिलचस्प प्रतिक्रिया दे रहे हैं। यूजर कह रहे हैं, 'इस बार छठ पर एकतरफा यही गाना बजेगा'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'छठ तक इस गाने के 100 मिलियन व्यूज हो जाने चाहिए'। इस गाने के रिलीज की जानकारी खेसारी ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए दी है। इसके अलावा उन्होंने इंस्टाग्राम पर दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए भी एक पोस्ट साझा किया है। एक्टर ने लिखा है, 'रउआ सभे के दीपावली मंगलमय आ सुखमय होखो। शुभ दीपावली'!

लाइफ स्टाइल

एक तीर से दो शिकार

सभी फैशन शो कपड़ों के ट्रेंड को पेश करने के लिए नहीं होते हैं। बल्कि कुछ शो गहनों और एक्सेसरीज़ जैसे बैग, बेल्ट, क्लच वगैरह की नई स्टाइल पर प्रकाश डालने भी रखे जाते हैं। यह एक तीर से दो शिकार करने जैसा है। ऐसे शो के दौरान दोनों क्षेत्रों में नए ट्रेंड का पता लगाया जा सकता है। मौजूदा पीढ़ी के बीच पुराने गहनों के स्टाइल को पसंद करने का चलन बढ़ा है। इसलिए ऐसे शो अब ज्यादा चलन में है। यहां तस्वीर लंदन फैशन वीक की।

झटपट सुलझ जाएंगे उलझे-उलझे बाल कुछ ऐसे बनाएं हर्बल हेयर डिटैंगलर

अगर आपके बाल अक्सर उलझे रहते हैं और आप उसे बेहद आसानी से सुलझाना चाहती हैं तो ऐसे में आप हर्बल हेयर डिटैंगलर बनाकर तैयार कर सकती हैं। सबसे अच्छा तरीका है कि आप खुद घर पर ही हर्बल हेयर डिटैंगलर बनकर तैयार करें।

ग्रीन टी और पुदीने से बनाएं हेयर डिटैंगलर

अगर आपकी सेंसेटिव स्कैल्प है तो आप ग्रीन टी, पुदीने और ग्लिसरीन की मदद से हेयर डिटैंगलर बनाकर तैयार कर सकती हैं। जहां, ग्रीन टी बालों को मज़बूत बनाती है, वहीं पुदीने का तेल स्कैल्प को एक फ्रेशनेस का अहसास करवाता है।

एलोवेरा और लैवेंडर से बनाएं हेयर डिटैंगलर

एलोवेरा और लैवेंडर की मदद से भी हेयर डिटैंगलर बनाया जा सकता है। एलोवेरा बालों को हाइड्रेट करता है, जिससे उन्हें सुलझाना काफी आसान हो जाता है। वहीं, लैवेंडर एसेंशियल ऑयल बालों को एक प्यारी खुशबू देता है। हेयर डिटैंगलर बनाने के लिए सबसे पहले एलोवेरा जेल में पानी डालकर मिक्स करें। अब आप इसमें लैवेंडर एसेंशियल ऑयल डालकर मिक्स करें। तैयार मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में डालकर अच्छी तरह हिलाएं। अब आप इससे बालों पर स्प्रे करें और फिर बालों को सुलझाएं।

एप्पल साइडर विनेगर और रोज़मेरी से बनाएं हेयर डिटैंगलर

एप्पल साइडर विनेगर स्कैल्प के पीएच को बैलेंस करने के साथ-साथ बालों के क्यूटिकल को चिकना करता है, जिससे उन्हें सुलझाना आसान हो जाता है। वहीं, रोजमेरी बालों की ग्रोथ को बेहतर बनाने के साथ-साथ एक अच्छी सी खुशबू देती है। हेयर डिटैंगलर बनाने के लिए सबसे पहले एप्पल साइडर विनेगर और पानी को मिक्स करें। अब इसमें रोजमेरी एसेंशियल ऑयल डालकर मिक्स करें।

छठ पूजा में तैयार होने इन भोजपुरी अभिनेत्रियों के लुक से लें टिप्स

यदि आप छठ पूजा के दिन पारंपरिक अंदाज में तैयार होना चाहती हैं तो कुछ भोजपुरी अभिनेत्रियों से टिप्स लेकर तैयार हों। 5 नवंबर से छठ पूजा के महापर्व की शुरुआत होगी। ये पूजा दिवाली के 6 दिन बाद होती है। बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोग छठ पूजा का इंतजार सालभर करते हैं। कई जगहों पर तो इसे दिवाली से भी बड़ा त्योहार माना जाता है।

एक समय था जब यह सिर्फ बिहार में इस पूजा का आयोजन होता था लेकिन अब कई राज्यों और विदेशों तक में छठ पूजा मनाई जाती है। कार्तिक मास में आने वाली छठ पूजा का व्रत संतान की सुख शांति और लंबी उम्र के लिए किया जाता है।

इस दिन छठी मैया और भगवान सूर्य की आराधना होती है। इस दिन महिलाएं खूब अच्छे से सजती और संवरती भी हैं। यदि आप छठ पूजा के दिन अपना सादगी भरा और खूबसूरत अंदाज दिखाना चाहती हैं तो भोजपुरी की कुछ अभिनेत्री से टिप्स लें।

मोनालिसा का पहला लुक

यदि आप पीले रंग की साड़ी कैरी करने का सोच रही हैं तो मोनालिसा के इस लुक से टिप्स लें। पीले रंग की साड़ी के साथ लाल रंग का ब्लाउज खूबसूरत लगेगा। इसके साथ गोल्ड की ज्वेलरी ही पहनें। उससे आपका लुक अच्छा लगेगा।

मोनालिसा का दूसरा लुक

लाल रंग पूजा में पहनने के लिए काफी शुभ माना जाता है। ऐसे में यदि आप लाल रंग की साड़ी नहीं पहनना चाहतीं तो लाल सूट का चयन करें। लाल रंग का प्लाजो सूट आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करेगा।

अक्षरा सिंह का पहला लुक

लाल रंग की बनारसी साड़ी हर त्योहार के लिए सबसे बेस्ट विकल्प है। यदि आपके पास ऐसी साड़ी रखी है तो छठ पूजा के दौरान उसे निकाल लें। ऐसी साड़ी पहन रहीं हैं तो बालों में जूड़ा बनाएं और उसपर गजरा लगवाएं। ऐसी साड़ी के साथ भी गोल्ड की ज्वेलरी अच्छी लगेगी।

एथनिक आउटफिट के साथ खूब जंचेगी ऐसी ज्वेलरी, ऐसे दिखेंगी स्टाइलिश

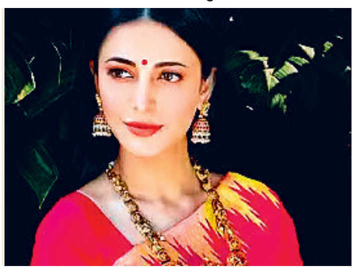

वैसे तो बाजार में हर तरह की ज्वेलरी आजकल मिल जाती है लेकिन फिर भी बहुत सी महिलाएं संशय में रहती हैं कि ट्रेंड के हिसाब से वो क्या खरीदें और क्या पहनें। ऐसे में आपको ट्रेंडी नेकपीस और अन्य ज्वेलरी के बारे में जरूर जानना चाहिए, ताकि आप उसे खरीद कर अपना स्टाइलिश लुक दिखा सकें।

टेंपल ज्वेलरी: आजकल महिलाओं को इस तरह की टेंपल ज्वेलरी काफी पसंद आ रही है। अगर आप सिर्फ एक ही इस तरह का हार पहनेंगी तो आपका लुक सबसे रॉयल दिखेगा। ऐसी ज्वेलरी सिल्क फैब्रिक की साड़ी के साथ कमाल का लगता है। इसके साथ ईयररिंग्स भी मैचिंग के ही पहनें।

पारंपरिक गोल्ड ज्वेलरी: यदि आपके पास सोने की ज्वेलरी इस तरह की है, तो पूजा के समय उसे ही पहनें। ऐसी गोल्ड ज्वेलरी हर आउटफिट के साथ अच्छी लगती है। खासतौर पर यदि अगर आप नई दुल्हन हैं, तब तो आप पर ऐसी ही ज्वेलरी अच्छी दिखेगी।

झुमके और अंगूठी: अगर मिनिमल ज्वेलरी पहनना पसंद है तो इस तरह के मैचिंग ईयररिंग्स पहनें। मैचिंग ईयररिंग के साथ हाथ में कड़े और अंगूठी भी पहनें, ताकि आपका लुक प्यारा दिखे। इस ज्वेलरी के साथ आपको गले में कुछ पहनने की जरूर नहीं पड़ेगी।

हैवी ईयररिंग्स: आजकल इस तरह के ईयररिंग्स महिलाओं को काफी पसंद आते हैं। नग जड़े ऐसे ईयररिंग्स आपके सिंपल लुक को खूबसूरत बनाने का काम करेंगे। इसके साथ भी आपको अपना मेकअप हल्का रखना है और गले में भी कुछ नहीं पहनना है।

नेकपीस: इस तरह का हल्का सा नेकपीस आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करेगा। ऐसे नेकपीस के साथ कानों में हल्के झुमके ही पहनें। उससे आपका लुक एलीगेंट लगेगा। चाहें तो इसके साथ टॉप्स पहनें।

चाहती हैं लंबे समय तक टिका रहे मेकअप तो त्वचा को करें तैयार

मौका त्यौहार का हो या शादियों का, महिलाएं इस दिन नए-नए कपड़े पहनकर अच्छी तरह से मेकअप करती हैं। पर, कई बार ऐसा होता है कि कुछ देर बाद मेकअप खराब होने लगता है। ऐसे में यदि आप अपना मेकअप खराब करना नहीं चाहतीं तो मेकअप से पहले से स्किन को तैयार करें।

सबसे पहले चेहरा साफ करें

यदि आप चाहती हैं कि आपका मेकअप लंबे समय तक टिका रहे तो सबसे पहले चेहरा अच्छे से साफ करें। चेहरे पर मौजूद तेल, धूल और अन्य गंदगी को हटाने के लिए माइल्ड क्लींजर का उपयोग करें।

अब मॉइश्चराइजर लगाएं

चेहरा साफ करने के बाद त्वचा को हाइड्रेट करना बेहद जरूरी है। ऐसे में अपने स्किन टाइप के अनुसार मॉइश्चराइजर का चयन करें और उसे हल्के हाथों से चेहरे पर लगाएं। इससे मेकअप सही से सेट होगा।

प्राइमर का इस्तेमाल करें

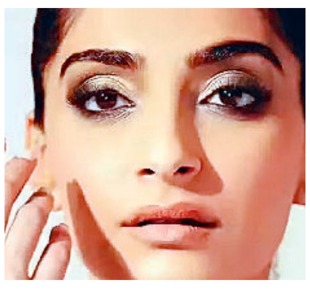

जब भी मेकअप लगाएं तो पहले प्राइमर जरूर लगाएं। इसे लगाने से त्वचा की सतह स्मूथ होती है, जिससे मेकअप ज्यादा समय तक टिकता है।

कंसीलर और फाउंडेशन सही तरीके से लगाएं

फाउंडेशन और कंसीलर का इस्तेमाल हल्के हाथों से करें। ब्लेंडिंग बहुत ही अच्छे से करें, ताकि मेकअप नेचुरल लगे और केकी न लगे। इसके लिए स्पॉन्ज या ब्रश का इस्तेमाल करें।

कार्नर न्यूज

अमिताभ बच्चन ने 4 दशक पहले शुरू किया था यह फैशन ट्रेंड

आपके पास लंबी शर्ट हो तो इसे पहनने के नए तरीके अपनाइए, निखरेगा लुक

बॉलीवुड एक्टर्स के फैशन ट्रेंड आज से नहीं लंबे समय से हमें इंस्पायर करते आ रहे हैं। इसलिए, जब बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन 70 के दशक में एक बार लंबी शर्ट (Long Shirt) को अलग तरीके से पहने दिखे, तो फैंस ने उस लुक को अपना लिया। उसके बाद शर्ट को नीचे से बांधकर पहनने का ट्रेंड चालू हो गया। यह लुक 45 साल पुराना है। मगर इस बात को बहुत कम लोग जानते हैं। अमिताभ ने इससे जुड़े राज अब खोल दिए हैं। आखिर उन्होंने क्यों इस तरह से शर्ट पहनी और फिर कैसे

'नॉटेड शर्ट' लुक

जिस तरह फिल्म 'दीवार' में अमिताभ बच्चन ने लॉन्ग शर्ट को पहना था, इसी को 'नॉटेड शर्ट' लुक कह सकते हैं। इस फैशन ट्रेंड की कहानी काफी दिलचस्प है।

अमिताभ बच्चन ने 'दीवार' से अपने 'नॉटेड शर्ट' लुक का फोटो शेयर कर लिखा है कि वे भी क्या दिन हुआ करते थे.... और गांठ वाली शर्ट। इसकी अपनी कहानी है। शूट का पहला दिन था। शॉट रेडी, कैमरा रोल होने के लिए तैयार था और तभी पता चला कि शर्ट काफी लंबी है, घुटनों के नीचे तक। दूसरी शर्ट या एक्टर को रिप्लेस करने का इंतजार निर्देशक नहीं कर सकते थे, इसलिए गांठ बांध कर शर्ट पहननी पड़ी थी। अगर आप ओल्ड फैशन को फिर से फॉलो करना चाहते हैं तो लॉन्ग शर्ट को इस तरह से पहनें। 'नॉटेड शर्ट' लुक दोस्तों के साथ ट्रिप पर जाते वक्त अपनाएं। इसके अलावा, अपनी पसंद के अनुसार भी इस तरह से शर्ट को पहन सकते हैं।

लंबे शर्ट की लेयरिंग

कैजुअल लुक के लिए लंबे शर्ट की लेयरिंग सही हो सकती है। अगर आप लंबी शर्ट को पहनकर फैशनेबल दिखना चाहते हैं तो लेयरिंग करें। लंबे शर्ट की लेयरिंग करना सही होगा। हालांकि आज के दौर में लड़के इस तरह के लुक को अपनाते हैं। मगर कई बार हम देखते हैं कि कई लड़के शॉर्ट शर्ट के साथ लेयरिंग करते हैं। इस कारण उनका लुक उतना परफेक्ट नहीं दिखता है। इसलिए कभी भी टी-शर्ट के साथ शर्ट की लेयरिंग करने के लिए लंबाई का ध्यान रखें। मगर कभी भी लेयरिंग के लिए फॉर्मल शर्ट न चुनें।